जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 11 अक्टूबर, 2026

KEDIA™ Pavitra

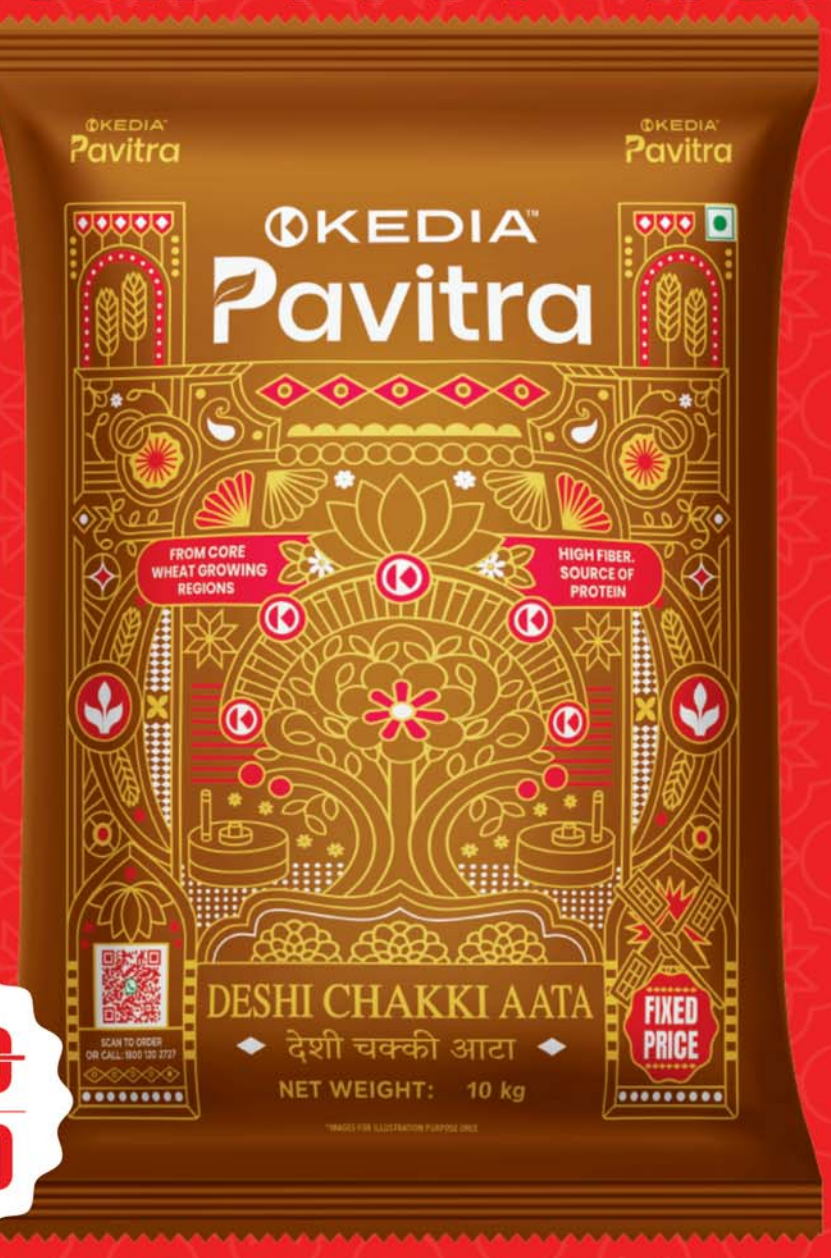
आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

देशी चक्की आटा

मेहनत की रोटी

पवित्र

होनी चाहिए



~~₹ 500~~
₹ 400

दुकान हो या सुपरमार्केट
कॉल लगाओ, पवित्र मँगाओ
1800-120-2727

आटा | दलिया | सूजी | बेसन | सत्तू | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | हींग | कुकिंग ऑयल | ड्राई फ्रूट्स | फ्लेवर्ड मखाना | गुड़ | मिश्री | सेंधा नमक | पोहा और चाय सहित कम्प्लीट किचन बास्केट

नजदीकी रिटेलर, सुपरमार्केट और Zepto पर उपलब्ध !

RERA No. RAJ/P/2023/2387

इतिहास में पहली बार रियल एस्टेट में

क्लीयरेंस सेल

10 लाख का फ्लैट डिस्काउंट



KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

FLAT STARTS
~~74 Lacs~~ @64 Lacs

KOTHI STARTS
~~1.175 Cr~~ @1.075 Cr

AJMER ROAD
JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2023/2387



Kedia's THE KOTHI
भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ

KOTHI STARTS
~~50 Lacs~~ @40 Lacs

SIRSI ROAD
JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2021/1523



A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए

SHOP
~~30 Lacs~~ @20 Lacs

KOTHI STARTS
~~70 Lacs~~ @60 Lacs

PRATAP NAGAR
JAIPUR

RERA No. RAJ/P/2022/1900



KEDIA'S
Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS

2BHK
~~37 Lacs~~ @27 Lacs

3BHK
~~45 Lacs~~ @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION
JAIPUR

RERA No.: RAJ/P/2017/178

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

ईश्वर आपत्तियों का भला करे क्योंकि इन्हीं से मित्र और शत्रु की पहचान होती है। -अज्ञात

पुस्तक खोलने से पहले उजाले का प्रबंध करना पड़ता है

कुछ साथियों की सलाह है कि मैं अपने जीवन के कुछ पचडे यहाँ साझा करता रहूँ। आज की चर्चा उसी का एक अंश है।

पुस्तक खोलने से पहले उजाले का प्रबंध करना पडता था। बत्ती को नाखून से खुरचकर ठीक करो। मिट्टी के तेल की शीशी तिरछी करके देखो कि उसमें कितना तेल बचा है। चिमनी पर कालिख जमी हो तो पुराने कपडे से रगडकर हटाओ। फिर लौ सँभालो। वह इतनी भी न बढे कि धुआँ देने लगे और इतनी छोटी भी न रह जाए कि अक्षर आँखों से ओझल हों। हमारे बचपन में पढाई का एक अंश पुस्तक के बाहर, इस उजाले की परिचर्या में घटित होता था।

मेरा जन्म 1963 में सराय में हुआ। विंध्याचल का नरो पहाड निकट था। बीस वर्ष की आयु में वन अधिकारी के प्रशिक्षण के लिए गाँव से निकलने तक वहाँ बिजली नहीं आई थी। संध्या होते ही पहाड, खेत और आँगन क्रमश: अँधेरे में उतरते। घर के भीतर जितना प्रकाश सँभाल पाते, उसी में काम करना होता। आज अपनी शिक्षा की ओर देखता हूँ तो पुस्तकों के साथ वह तेल की शीशी भी दिखाई देती है। उसमें बची अंतिम बूँद और सामने खुला पृष्ठ एक-दूसरे से अपरिचित नहीं थे।

तब उजाले का श्रम दिखाई देता था। लौ छोटी होती तो उसका कारण खोजना पडता। तेल कम है, बत्ती ठीक नहीं अथवा चिमनी की कालिख प्रकाश रोक रही है। बाद में सुविधा बढी तो प्रकाश सहज उपलब्ध होने लगा। यह परिवर्तन आवश्यक और सुखद था। लेकिन उपलब्धि की सहजता के साथ उसके पीछे की प्रक्रिया दृष्टि से हट सकती है। बटन दबाने और कमरा आलोकित होने के बीच का श्रम दिखाई नहीं देता; उसका अस्तित्व बना रहता है। मेरे लिए बचपन की ढिबरी इसी विस्मरण के विरुद्ध एक छोटी-सी साक्षी है।

वह साक्ष्य केवल प्रकाश तक सीमित नहीं था। कुएँ से घर तक पानी पहुँचने में हाथ, कंधे और कमर लगते थे। जेठ की धूल, बरसात की फिसलन और जाडे की ओस, प्रत्येक ऋतु उस दूरी को अपने ढंग से बदलती थी। बडे परिवार में एक बार पानी लाना पर्याप्त नहीं होता। कुएँ और घर के बीच बार-बार आना-जाना पडता। गगरी भीतर रख दिए जाने पर भी काम समाप्त नहीं होता था। पीने का पानी अलग रखना है, धुलाई के लिए अलग; पशुओं की नाँद भी भरनी है। जल के साथ विवेक घर में प्रवेश करता था।

किसी पात्र में भरे पानी को देखकर उसका पूरा परिचय नहीं मिल जाता। रस्सी की घिसावट, कुएँ की गहराई, जगत की फिसलन और लौटते कंधे की थकान भी उसमें सम्मिलित हैं। बचपन में ये सब किसी विचार के प्रमाण नहीं थे। यही दिनचर्या थी। बाद में समझ आया कि उपभोग की वस्तु अपने भीतर अनेक अदृश्य संबंध सँजोए रहती है। जब हम केवल वस्तु देखते हैं, तो उसे संभव बनाने वाले मनुष्यों और प्रकृति का एक बडा अंश हमारी दृष्टि से छूट जाता है।

अम्मा का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता था। इसलिए रसोई के अनेक काम मेरे हिस्से आते। कल की राख हटाते हुए अधजला टुकडा अलग रख लेना होता, जिससे आज की आग पकड सके। लकडी भीगी हो तो चूल्हा धुएँ से भर उठता। झुककर फूँक मारो। आँखें लाल होतीं, गले में कसैलापन उतरता। फिर बर्तन माँजने, दाल बीनने, चावल फटकने और आटा गूँधने का क्रम। तवे पर रोटी पडने तक इतने काम हो चुके होते कि उसे केवल भोजन बनाने का एक काम कहना वास्तविकता को बहुत छोटा कर देना होता। इसी बीच पानी घट जाए अथवा पशु पुकार उठे तो उठकर वह काम भी सँभालना पडता। भोजन तैयार होने के बाद बर्तन और रसोई शेष रहते। घर में किसी को थाली मिल जाने का अर्थ किसी दूसरे का श्रम समाप्त होना नहीं था। स्वयं यह काम करते हुए उसकी निरंतरता समझ में आती थी। रोटी की गोलाई दिखाई देती है; उसे संभव बनाने में बीता समय उसमें अलग से अंकित नहीं रहता। स्मृति उस समय को बचाए रखती है। इसीलिए मेरे लिए चूल्हे का धुआँ केवल अतीत की गंध नहीं, घरेलू श्रम का साक्ष्य भी है।

मैं पढता था, पर पढाई इन कामों से बाहर सुरक्षित किसी दूसरी दुनिया में नहीं रखी थी। कुआँ, बाडा, रसोई और विद्यालय एक ही दिन के भीतर आते थे। प्राथमिक विद्यालय कच्चा था। बरसात में पानी भीतर तक घुस आता। जमीन सूखने पर हम सब मिलकर गोबर से लिपाई करते, फिर टाट-पट्टी बिछती और पाठ चलता। शिक्षा के लिए स्थान भी अपने हाथों तैयार करना पडता था। उस धरती पर बैठकर अक्षर सीखते हुए हममें से किसी ने शायद ही सोचा होगा कि पढने की इच्छा अपने लिए कितने छोटे-छोटे अवलंब जुटा रही है।

आगे महाविद्यालय जाने के लिए टमस नदी पार करनी पडती। बरसात में पुस्तकें कपडे या बोरे में लपेटते, ताकि भीगने से बचें। नाव कहाँ बँधी है, तली में पानी तो नहीं, नाविक आया या नहीं, यह देखना पडता। नदी के पार कीचड में साइकिल के पहिए जाम हो जाते तो उसे कंधे पर उठाता। हैंडल पसली में न चुभे, पैडल पिंडली से न टकराए, यह सँभालते हुए चलना होता। साइकिल अपने सवार के कंधे पर चली जाती। उस समय इसमें कोई असाधारण वीरता नहीं लगती थी। महाविद्यालय पहुँचना था।

इन प्रसंगों को अब लिखते हुए एक सावधानी आवश्यक लगती है। अभाव ने मुझे कुछ सिखाया, इसलिए अभाव उचित था, यह निष्कर्ष नहीं निकलता। भीगते विद्यालय, धुएँ से भरी रसोई और कठिन आवागमन को अगली पीढी के लिए सुरक्षित रखना कोई सांस्कृतिक उत्तरदायित्व नहीं है। बच्चों को ऐसी कठिनाइयों से मुक्त शिक्षा मिले, यही वांछनीय है। मेरे अनुभव का मूल्य कठिनाई को आदर्श बनाने में नहीं, उन आवश्यकताओं को पहचानने में है जिनके अभाव में मनुष्य को अपनी शक्ति का इतना अंश व्यय करना पडा।

किसी पात्र में भरे पानी को देखकर उसका पूरा परिचय नहीं मिल जाता। रस्सी की घिसावट, कुएँ की गहराई, जगत की फिसलन और लौटते कंधे की थकान भी उसमें सम्मिलित हैं। बचपन में ये सब किसी विचार के प्रमाण नहीं थे। यही दिनचर्या थी। बाद में समझ आया कि उपभोग की वस्तु अपने भीतर अनेक अदृश्य संबंध सँजोए रहती है। जब हम केवल वस्तु देखते हैं, तो उसे संभव बनाने वाले मनुष्यों और प्रकृति का एक बड़ा अंश हमारी दृष्टि से छूट जाता है।

सुविधा का उचित उपयोग इस पहचान को नष्ट किए बिना भी संभव है। पानी घर तक आए, प्रकाश सहज मिले, विद्यालय सुरक्षित हो और रास्ता सुगम बने। इनसे बचा समय अध्ययन, सृजन और विश्राम में लग सकता है। प्रश्न यह है कि सुविधा मिलने पर हमारा संबंध केवल तैयार वस्तु से रह जाएगा अथवा उसे संभव बनाने वाली प्रक्रिया से भी बना रहेगा। श्रम का बोझ घटाना और श्रम का सम्मान बनाए रखना एक-दूसरे के विरोधी प्रयोजन नहीं हैं।

यहीं मेरी माटी स्मृति से आगे बढकर दृष्टि बनती है। उसने मुझे वस्तु के भीतर संबंध देखना सिखाया। पानी में उसे ढोने का परिश्रम था, रोटी में रसोई का समय, विद्यालय में गुरुजन और पढने के लिए सँभाली गई लौ में घर की अनेक व्यवस्थाएँ। मनुष्य अपने प्रयत्न से आगे बढता है, किंतु उसका प्रयत्न भी अनेक सहारों पर खडा होता है। अपनी उपलब्धि का संपूर्ण श्रेय स्वयं ले लेना उन सहारों को विस्मृत करना है, जिनके बिना वैसा प्रयत्न संभव ही न होता।

इसका अर्थ अपनी इच्छाशक्ति अथवा पुरुषार्थ का अवमूल्यन नहीं है। नाव में मुझे ही बैठना था, साइकिल का भार मेरे कंधे पर था, पढना भी मुझे ही था। पर नदी पार होने में नाविक की भूमिका मिट नहीं जाती। शिक्षा में गुरुजनों का स्नेह और अनुशासन भी रहता है। अपने पुरुषार्थ को उसके संबंधों सहित देख सकें तो आत्मसम्मान अधिक सत्यनिष्ठ होता है। तब सफलता हमें अपने अतीत से काटकर अकेला नहीं करती; वह उन लोगों की उपस्थिति और स्पष्ट कर सकती है जो यात्रा के आरंभ में साथ थे।

अध्यात्म की एक व्यावहारिक भूमि मुझे इस ऋणबोध में दिखाई देती है। अपने अस्तित्व को केवल अपने अर्जन का परिणाम मानने वाला अहंकार यहाँ कुछ विनीत होता है। जिस देह को अपना कहते हैं, उसे अन्न, जल और वायु निरंतर सँभालते हैं। जिस ज्ञान पर गर्व होता है, उसके भीतर दूसरे मनुष्यों की खोज और शिक्षा उपस्थित है। इस परस्परावलंबन का बोध पूजा के समय तक सीमित रहे तो अधूरा है। उसे अपने उपयोग, अपने व्यवहार और अपने निर्णयों में भी उतरना होगा।

ऋणबोध का अर्थ किसी के उपकार के नीचे जीवन भर दबे रहना भी नहीं है। उसने जो संभव किया, उसकी पहचान हमें आगे किसी दूसरे के लिए कुछ संभव करने की ओर ले जाए। शिक्षा मिली है तो उसकी पहुँच बढाने का दायित्व समझ में आए। किसी के श्रम ने हमारा दिन सँभाला है तो उसके समय और गरिमा का मूल्य पहचानें। कृतज्ञता अपनी पूर्णता में व्यवहार बदलती है। वह केवल अतीत को धन्यवाद देकर वर्तमान के अन्याय से आँख नहीं फेर सकती।

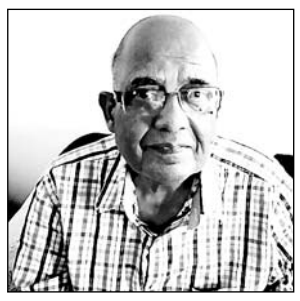
इसलिए घर की रसोई में उठता धुआँ याद करते हुए घरेलू श्रम का न्यायपूर्ण विभाजन भी सोचना पडता है। कुएँ से पानी लाने की स्मृति जल की उपलब्धता का प्रश्न उठाती है। पढाई के लिए कंधे पर उठी साइकिल सुगम आवागमन की आवश्यकता सामने रखती है। स्मृति तभी जीवनोपयोगी होती है जब उससे प्राप्त संवेदना किसी दूसरे की वर्तमान कठिनाई पहचान सके। अन्यथा हम अपने संघर्ष का गौरव सुनाते रह जाएँगे और सामने खडा बालक उसी अवरोध से जूझता रहेगा जिसे पार कर लेने पर हमें गर्व है।

माटी से जुडे रहने का आशय मेरे लिए इसी उत्तरदायित्व में खुलता है। जन्मस्थान की गंध प्रिय है; उससे उपजा विवेक अधिक दूर तक साथ जाता है। कार्यालय में बैठा मनुष्य भी उसे निभा सकता है, नगर में पला बालक भी श्रम के प्रति सजग हो सकता है। गाँव में जन्म लेना मनुष्यता का प्रमाणपत्र नहीं है। अपने जीवन के आधारों को पहचानना और दूसरों के जीवन को सुविधाजनक बनाने में अपना अंश देना, इस संबंध को अधिक व्यापक बनाता है।

अब स्मृति में वह चिमनी फिर सामने आती है। कपडा फेरते ही कालिख हटती है और भीतर की लौ कुछ अधिक साफ दिखाई देती है। पुस्तक अभी खोली जानी है। उसके पहले इतना काम हुआ है, जिसका उल्लेख आगे किसी परीक्षा-परिणाम में नहीं होगा। वर्षों बाद उस पृष्ठ पर झुके बालक को देखता हूँ तो उसके पीछे घर और परिवेश का पूरा श्रम दिखाई देता है। उसने जो पढा, उसमें उन सबका अंश था। अपने अर्जित उजाले में उन अंशों को पहचानना ही शायद शिक्षा का वह पाठ है, जो किसी उपाधि के साथ समाप्त नहीं होता।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

नारी सम्मान वन्दन और देवी मां की आराधना का पर्व नवरात्रि



डॉ. जे. के. गर्ग

नव और रात्र शब्दों से मिलकर बना है नवरात्रि। नव का अर्थ है नौ, वहीं रात्र शब्द में पुन: दो शब्द शामिल हैं रा का अर्थ है रात और त्रि का अर्थ है जीवन के तीन पहलू यानी-शरीर मन और आत्मा नि:संदेह जीवन में हर एक को तीन प्रकार की मुश्किल समस्याओं का सामना करना ही पड़ता है वों भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक होती है। इन सभी समस्याओं से जो छुटकारा दिलवाने वाली रात्रि ही होती है। रात्रि या रात मनुष्यों को दुख से मुक्ति दिलाकर उनके जीवन में यश सुख सुविधा खुशहाली लाती है।

सच्चाई तो यही है आदमी को आराम सिर्फ रात्रि में ही मिलता है। रात की गोद में हम सभी अपने सारे सुख दु:ख को भूल कर नींद का आनन्द लेते है। शक्ति स्वरूप माता की आराधना के नवरात्रि के नो दिन माने गए हैं। जहाँ चैत्र नवरात्रि के दौरान कठिन साधना और कठिन व्रत का महत्व है वहीं दुसरी तरफ शारदीय नवरात्रि के नो दिन के दौरान सात्विक साधना, नृत्य, उत्सव आदि का आयोजन किया जाता है।

मान्यता है कि चैत्र नवरात्रि की साधना आपको मानसिक रूप से मजबूत बनाती है और आध्यात्मिक इच्छाओं की पूर्ति करने वाली है। वहीं शारदीय नवरात्रि सांसारिक इच्छाओं को पूरा करने वाली मानी जाती है। नवरात्रि माँ के अलग अलग रूपों को निहारने और उत्सव मनाने का पर्व है। मान्यताओं के अनुसार देवी दुर्गा ने अश्विन के महीने में महिषासुर पर आक्रमण कर उससे नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया इसलिए इन नौ दिनों को शक्ति की आराधना के लिए समर्पित कर दिया गया है।

कहा जाता है कि शारदीय नवरात्रि धर्म की अधर्म पर और सत्य की असत्य पर जीत का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है और धरती को उनका मायका कहा जाता है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है।

चैत्र नवरात्रि के अंत में राम नवमी आती है। धार्मिक मान्यता के है कि प्रभु श्रीराम का जन्म रामनवमी के दिन ही हुआ था, जबकि शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन महानवमी के रूप में मनाया जाता है।

नवरात्रि के इस उत्सव पर कई प्रकार की पौराणिक मान्यता। मान्यता के अनुसार इन नो दिनों में श्रीराम ने सीता माता को रावण की कैद से छुड़वाने के लिए देवी दुर्गा की आराधना की थी। उन्होंने 108 कमलो की पूजा नौ दिनों तक की थी। जिसके पश्चात देवी दुर्गा उनके इस पूजा से प्रसन्न हो कर उन्हें विजयी होने का आशीर्वाद दिया था। उसके पश्चात राम ने अंहकारी रावण का वध किया था। इसी संदर्भ में यह भी जानना जरूरी है कि धार्मिक ग्रन्थों में दुर्गा सप्तशती के अन्तर्गत देव दानव युद्ध का विस्तृत वर्णन किया गया है जिसमें बताया गया है कि देवी भगवती और मां पार्वती ने किस प्रकार से देवताओं के साम्राज्य को स्थापित करने हेतु तीनों लोकों में उत्पात मचाने वाले बलशाली दानवों से लोहा लिया था, इसी वजह से आज सम्पूर्ण देश में हजारों की संख्याओं में दुर्गा यानी नवदुर्ग गौरवमयी परंपरा चली आ रही है।

नवरात्रि का पर्व 11 से 21 2026 तक मनाया जाएगा।

-डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा

कहां गए ब्रज के कदंब ? कृष्ण की लीला भूमि में सूखती स्मृतियों की पुकार



राजेन्द्र जोशी

ब्रज केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं है। यह भारतीय लोक-स्मृति, आस्था, संस्कृति और कृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ी वह भूमि है, जिसे सदियों से श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता रहा है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल्यकाल का बड़ा हिस्सा इसी ब्रजभूमि में अपने सखाओं और ग्वाल-बालों के साथ खेलते हुए बिताया। यमुना के तट, हरे-भरे वन, गोवर्धन की तलहटी और कदंब के वृक्ष-इन सबने कृष्ण की लीलाओं की स्मृतियों को अपने भीतर संजोया है।

ब्रज की कल्पना कदंब के बिना अधूरी लगती है। कृष्ण और कदंब का संबंध केवल धार्मिक आख्यानों तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्रज की लोक-संस्कृति में भी कदंब एक जीवंत प्रतीक के रूप में उपस्थित रहा है। कदंब की छांव, उसकी डालियां, उसके फूल और उसकी विशिष्ट आकृति ब्रज की प्राकृतिक पहचान का हिस्सा रहे हैं।

इसी ब्रज क्षेत्र में राजस्थान की सीमा के भीतर पूंछरी का लौटा से लगभग एक मील पश्चिम दक्षिण में स्थित श्यामढाक का क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। वर्षों से ब्रज क्षेत्र की यात्राएं करने के दौरान इस इलाके को करीब से देखने का अवसर मिला है। कभी यहां दूर-दूर तक कदंब के वृक्ष दिखाई देते थे। ऐसा लगता था मानो प्रकृति ने स्वयं कृष्ण की बाल लीलाओं के लिए एक विशाल रंगमंच तैयार कर रखा हो। आज वही दृश्य स्मृति बनता जा रहा है।

एक समय ब्रज के इन हिस्सों में सैकड़ों-हजारों कदंब के पेड़ होने की बात बुजुर्गों और स्थानीय लोगों की स्मृतियों में मिलती है। कदंब की घनी छांव और उसके नीचे की प्राकृतिक हरियाली पूरे वातावरण को एक अलग ही सौंदर्य प्रदान करती थी। लोकविश्वासों में तो यहां तक कहा जाता है कि कृष्ण अपने सखाओं के साथ इन्हीं वृक्षों के बीच खेलते, पत्तों के प्राकृतिक दोने बनाकर उनमें माखन खाते और छाछ पीते थे।

डीग जिले के एंचरा गांव की ऐतिहासिक कदंब खंडी इस स्मृति का एक महत्वपूर्ण केंद्र मानी जाती है। स्थानीय स्तर पर प्रचलित विवरणों के अनुसार कभी यहां बड़ी संख्या में प्राचीन कदंब वृक्ष थे और अब उनकी संख्या बहुत कम रह गई है। विशेष बात यह भी बताई जाती है कि यहां के कदंब वृक्षों के पत्ते प्राकृतिक रूप से दोने अथवा कटोरी के आकार में विकसित होते हैं। यह विशेषता इस स्थल को प्रकृति और लोकविश्वास-दोनों दृष्टियों से विशिष्ट बनाती है। श्यामढाक के शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन सिंह चिंता करते हुए सवाल करते है जिस ब्रजभूमि में कदंब केवल पेड़ नहीं बल्कि कृष्ण की स्मृति का प्रतीक है, वहां आज कदंब के वृक्ष गिनती के क्यों रह गए हैं?

यह सवाल केवल पर्यावरण का नहीं है। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का भी सवाल है। ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग केवल धार्मिक यात्राओं का मार्ग नहीं है। यह हजारों वर्षों की लोक-स्मृतियों, परंपराओं, वृक्षों, जलस्त्रोतों और प्राकृतिक स्थलों को जोड़ने वाली सांस्कृतिक धरोहर है। यदि इस परिक्रमा क्षेत्र से वे वृक्ष ही समाप्त हो जाएं जिनसे कृष्ण की लीलाओं की स्मृतियां जुड़ी हैं, तो आने वाली पीढ़ियों को हम ब्रज की कथा तो सुनाएंगे, लेकिन उस कथा का प्राकृतिक संसार कहां से दिखाएंगे?

यह चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राजस्थान सरकार ने पर्यावरण और वृक्षारोपण को लेकर कई अभियान चलाए हैं। भरतपुर में 'हरियालो राजस्थान' के तहत बड़े स्तर पर पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया और अस्तावन के नगला में कदंब वन विकसित करने की योजना भी सामने आई। इन प्रयासों का स्वागत होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि नए पौधे लगाने के साथ पुराने और ऐतिहासिक कदंब वृक्षों को बचाने की ठोस योजना कहां है?

कदंब खंडी जैसे स्थलों पर केवल पौधरोपण पर्याप्त नहीं होगा। वहां बचे हुए प्राचीन वृक्षों की वैज्ञानिक गणना होनी चाहिए। प्रत्येक वृक्ष का संरक्षण रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए। जलस्तर, मिट्टी और सिंचाई की स्थिति का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए। स्थानीय समुदाय को संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए और ऐसे स्थानों को 'कृष्णकालीन प्राकृतिक विरासत' के रूप में विकसित करने की दिशा में गंभीर पहल होनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कदंब के पौधे लगाकर उनकी तस्वीर खिंचवा लेना संरक्षण नहीं है। संरक्षण तब होगा जब लगाया गया पौधा वर्षों बाद वृक्ष बने और उसके नीचे अगली पीढ़ी बैठ सके। ब्रज में आने वाले श्रद्धालु केवल मंदिरों और धार्मिक स्थलों के दर्शन करने नहीं आते। वे उस ब्रज को देखने आते हैं जिसकी कल्पना कृष्ण की बाल लीलाओं के साथ की गई है। यदि ब्रज से उसकी प्राकृतिक पहचान धीरे-धीरे समाप्त होती गई तो एक दिन हमारे पास केवल मंदिर होंगे, कथाएं होंगी और स्मारक होंगे-लेकिन वह प्रकृति नहीं होगी जिसने इन कथाओं को जन्म दिया और पीढ़ियों तक जीवित रखा।

मुख्यमंत्री स्वयं भरतपुर क्षेत्र से आते हैं। वे ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता से परिचित हैं। ऐसे में उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि ब्रज की प्राकृतिक विरासत के संरक्षण को भी विशेष प्राथमिकता मिले। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन पहलों को ब्रज के कदंब संरक्षण से भी जोड़ा जाए। श्यामढाक से लेकर कदंब खंडी तक एक विशेष 'ब्रज कदंब संरक्षण क्षेत्र' विकसित किया जा सकता है। यहां कदंब की पुरानी प्रजातियों का संरक्षण, नए पौधों का रोपण, जलस्त्रोतों का पुनर्जीवन, स्थानीय लोगों की भागीदारी और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा से जुड़े प्रमुख कदंब स्थलों का दस्तावेजीकरण किया जा सकता है।

ब्रज में 'एक तीर्थ-एक कदंब' की परंपरा शुरू की जाए? श्यामढाक में कदंब खंडी जैसे स्थलों को केवल धार्मिक स्थल मानने के बजाय प्राकृतिक-सांस्कृतिक विरासत के रूप में संरक्षित किया जाए? पुराने कदंब वृक्षों की पहचान कर उन्हें विरासत वृक्ष घोषित करने की दिशा में कदम उठाया जाए? आज आवश्यकता केवल भावुक होने की नहीं, बल्कि कार्रवाई करने की है।

कृष्ण की कथा में कदंब केवल एक वृक्ष नहीं है। वह ब्रज की स्मृति है, लोकविश्वास है, प्रकृति है और हमारी सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। यदि कदंब के पेड़ समाप्त होते गए तो धीरे-धीरे ब्रज की वह प्राकृतिक तस्वीर भी समाप्त हो जाएगी जिसमें कृष्ण अपने सखाओं के साथ खेलते दिखाई देते हैं। ब्रज को बचाना है तो केवल ब्रज के मंदिरों को नहीं, ब्रज की प्रकृति को भी बचाना होगा। कृष्ण की लीला भूमि में कदंब की छांव फिर घनी हो-यह केवल पर्यावरण का संकल्प नहीं, हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। आज ब्रज की धरती हमसे यही पूछ रही है-कृष्ण की कथा तो तुमने बचा ली, लेकिन कृष्ण की छांव कहां बचाई?

-राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

सेवा सेतु अभियान-2026 में आमजन को मिल रही राहत

अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित सेवा सेतु अभियान में नागरिकों को राहत प्रदान की जा रही है

अजमेर, (निसं)। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी सेवाओं को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित सेवा सेतु अभियान-2026 के अंतर्गत नागरिकों को राहत प्रदान की जा रही है। अभियान के तहत 7 अक्टूबर से आयोजित शिविरों में विभिन्न सेवाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है, जिससे नागरिकों को अपने कार्यों के निस्तारण के लिए प्रभावी सुविधा उपलब्ध हो रही है।

अभियान के तहत अब तक आयोजित शिविरों में कुल 181 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 178 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है। निस्तारित प्रकरणों में कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं में पट्टा जारी करने के 18 प्रकरण, प्राधिकरण की स्वयं की योजनाओं से संबंधित 16 प्रकरण, बकाया लीज राशि जमा करवाकर फ्री होल्ड एवं लीज मुक्ति प्रमाण पत्र के 10 प्रकरण, भवन मानचित्र स्वीकृति के 7 प्रकरण, निर्माण अवधि विस्तार के 52 प्रकरण, नाम हस्तांतरण के 60 प्रकरण, भूखण्डों के उप विभाजन एवं पुनर्गठन के 6 प्रकरण तथा लीज होल्ड से फ्री होल्ड के 9 प्रकरण शामिल हैं।

शिविरों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सेवाओं की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं लंबित प्रकरणों के संबंध में संबंधित अधिकारियों से सीधे जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आवेदकों की समस्याओं को सुनते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है, ताकि पात्र नागरिकों को सेवाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध करवाया जा सके।

अलवर अस्पतालों के सफाई कर्मी हड़ताल पर

- समय पर सैलरी नहीं मिलने से सफाई कर्मचारियों में नाराजगी

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के जिला अस्पताल, जनाना अस्पताल व शिशु अस्पताल के सफाई कर्मचारी शनिवार सुबह हड़ताल पर उतर आए। समय पर सैलरी नहीं मिलने से सफाई कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। सफाइकर्मियों का कहना है कि पहले की चेतावनी के बावजूद हर महीने की सात तारीख तक वेतन नहीं मिलता है। हड़ताल के पहले ही दिन अस्पतालों के वार्डों, गैलरी और परिसर में कचरे के ढेर लगने लगे हैं, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सफाईकर्मी राजू ने बताया कि उन्हें हर महीने केवल 6 से 7 हजार रुपए का मामूली वेतन मिलता है। इतने कम पैसों में परिवार का गुजर-बसर करना पहले ही चुनौतीपूर्ण है, उस पर भी ठेकेदार की मनमानी के कारण भुगतान में लगातार देरी की जाती है। नियमानुसार भुगतान 7 तारीख तक हो जाना चाहिए, लेकिन हर बार वेतन 10 तारीख या उसके भी बाद मिलता है। सफाईकर्मियों का कहना है कि वेतन में देरी को लेकर वे पहले भी विरोध दर्ज करा चुके हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है। कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक ठेकेदार की मनमानी पर रोक नहीं लगती और समय पर वेतन भुगतान का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक तीनों अस्पतालों में सफाई कार्य पूरी तरह बंद रहेगा।

राशिफल रविवार 11 अक्टूबर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत-2083, चित्रा नक्षत्र रात्रि 10:33 तक, वैधृति योग रात्रि 9:05 तक, किस्तुघ्न करण प्रात: 9:25 तक, चन्द्रमा आज दिन 10:04 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज द्विपुष्कर और राजयोग रात्रि 9:31 से रात्रि 10:33 तक है। आज शारदीय नवरात्र आरम्भ होंगे। आज अग्रसेन जयन्ती, मातामह श्राद्ध, वैधृति पुण्यं है। आज घट स्थापना का सर्वश्रेष्ठ समय दिन 11:51 से 12:37 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- चर 7:54 से 9:21 तक, लाभ अमृत 9:21 से 12:14 तक, शुभ 1:40 से 3:07 तक

राहुकाल- 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 5:59

मेष

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग-समन्वय से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आज धार्मिक कार्यों पर धन हानि हो सकती है।

धनु

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण एवं धार्मिक कार्य बन सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

तुला

आवश्यक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। परिवार में कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होगा।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों को दिन के मध्यान्ह पूर्व करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बढ़ सकता है। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मीन

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के मध्यान्ह पूर्व करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 48 संख्याः 83 प्रभात बीकानेर, रविवार 11 अक्टूबर, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

लगभग एक भी प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर नहीं पहुँचा

पर इंडिया ब्लॉक फिर भी इसे अपनी भारी सफलता बता रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। जंतर-मंतर पर एक भी प्रदर्शनकारी मौजूद नहीं होने के बावजूद, ज्ञानेश कुमार और मोदी सरकार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा बुलाया गया आंदोलन शानदार और जबरदस्त रूप से सफल रहा।

करीब 50,000 पुलिसकर्मियों द्वारा की गई हर सड़क और रास्ते की घेराबंदी और नाकेबंदी के बावजूद, यह सरकार के लिए खोखली जीत थी।

संदेश बिल्कुल साफ और जोरदार तरीके से सामने आया कि मोदी-शाह सरकार ने अपना राजनीतिक प्रभाव और मानसिक संतुलन, दोनों खो दिये हैं।

यह सरकार की ओर से इस बात की स्वीकारोक्ति है कि उसने गैरकानूनी तरीके से गणतंत्र को नष्ट किया है, अराजकता फैलाई है और लोकतंत्र को ऐसा नुकसान पहुँचाया है, जिसकी भरपाई संभव नहीं हो सकती।

यह अपराधबोध की स्वीकारोक्ति भी है कि सरकार ने चुनाव चुराए हैं। इसी वजह से सरकार घबराई हुई है और जगह-जगह नाकाबंदी की गई है।

हजारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

सीजेपी के नेताओं को उस विमान से उतारकर हिरासत में ले लिया गया, जो उन्हें मुंबई से लेकर आया था। इसके बाद उन्हें अलग-अलग अज्ञात स्थानों पर ले जाया गया।

एक पुलिसकर्मी ने खबर दी कि दिपके की दादी का निधन हो गया है और कल सुबह महाराष्ट्र के अंदरूनी इलाके में उनका अंतिम संस्कार होना है। लेकिन न तो उनके माता-पिता उनसे संपर्क कर पाए और न ही यह पता चल रहा था कि उन्हें कहाँ रखा गया है या उन तक कैसे पहुँचा जाए।

दिल्ली पूरी तरह घेराबंदी में थी। हालात किसी दूतावास के आसपास की सुरक्षा से भी ज्यादा सख्त थे। मध्य दिल्ली के चारों ओर की सड़कें बंद कर दी गई थीं और लगभग पूर्ण कर्फ्यू जैसा माहौल था।

बहुत से लोगों ने घर से बाहर नहीं निकलने का फैसला किया, लेकिन उन्होंने दिल्ली में चल रहे इस तमाशे को देखा, जिसकी खबरें अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में छाई हुई हैं।

सरकार को डर है कि यदि छात्र और जेन ज़ी के युवा जंतर-मंतर पर धरने पर बैठ गए और जगह खाली करने से इनकार कर दिया, तो ज्ञानेश कुमार को बचाना और भी मुश्किल हो जाएगा।

लेकिन सरकार ने जिस तरह कार्रवाई की और प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी, उससे साफ हो गया है कि ज्ञानेश कुमार को बचने की उम्मीद बहुत कम है और मोदी तथा शाह के बचने की उम्मीद तो और भी कम है।

लेकिन यह अंत नहीं है। आज तो आंदोलन की केवल शुरुआत थी। जैसे ही आंदोलन से जुड़ी पाबंदियाँ हटेंगी, जेन ज़ी के युवा जंतर-मंतर पर पहुँच जाएंगे और यह पूरी कवायद बेकार साबित होगी।

कोई भी लोकतंत्र विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों से उस तरह नहीं निपटता, जिस तरह मोदी और शाह ने किया है। ये दोनों पक्का कर रहे हैं कि देश तानाशाही की ओर बढ़े, जहाँ लोगों

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- इंडिया ब्लॉक के अनुसार, दिल्ली की सड़कों पर 50,000 पुलिसकर्मी मौजूद थे, अतः अगर सरकार इसे अपनी सफलता गिना रही है तो यह काफी थोथी सफलता है
- कॉकरोज जनता पार्टी के अनुसार, हर तरह की साजिश रची गई, कॉकरोज जनता पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए। एक अफवाह यह फैलाई गई कि दीपके की दादी का देहांत हो गया है तथा दाह संस्कार कल (अगले दिन) है। पर, किसी को मालूम नहीं दीपके कहाँ हैं और उनसे कैसे संपर्क किया जा सकता है।
- इन हालात में बहुत से लोगों ने घर में बने रहने का निर्णय लिया।
- कॉकरोच जनता पार्टी का मानना है, सरकार को भय है कि अगर जैन ज़ी के समर्थक जंतर-मंतर पहुँच गए तो उनसे वह जगह खाली करवाना और मुश्किल हो जाएगा। पर, यह भी आशंका है कि जब भी प्रदर्शन खत्म करने की घोषणा की गई, तब जैन ज़ी, जंतर-मंतर पहुँच जाएगी और प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर नहीं पहुँचने देने की सारी कवायद व्यर्थ हो जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले किरायेदार को 20 साल की सजा

जयपुर, 10 अक्टूबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले पड़ोसी किराएदार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 21 साल के इस अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि यदि अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख अपनाया गया तो अपराधियों के हौसले बुलंद होंगे और अपराध की पुनरावृत्ति की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

- वर्ष 2022 में मुरलीपुरा थाने की घटना में अदालत ने एक लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि घटना को लेकर पीड़िता की मां ने 24 सितंबर, 2022 को मुरलीपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि सुबह वह, उसका पति और बेटा काम पर गए थे और कमरे पर दो बेटे और पीड़िता थे। दोपहर को उसके बेटे ने आकर बताया कि पीड़िता के साथ अभियुक्त ने गलत काम किया है। सूचना पर जब वह घर आई तो पीड़िता ने बताया कि पास के कमरे में रहने वाले अभियुक्त ने उसके एक भाई को चाउमीन लाने बाहर भेज दिया और दूसरे को मोबाइल दे दिया। इसके बाद

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अभिजीत दीपके ने आंदोलन की कमान अजिंक्य शिंदे को सौंपी

उनको आशंका थी, जैसे ही उनकी मुंबई से दिल्ली आ रही फ्लाइट पहुँचेगी, उन्हें हिरासत में ले लिया जाएगा

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को पता था कि दिल्ली में उनके साथ क्या होने वाला है। उन्हें पहले से ही इसका अंदेशा था। सीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को हिरासत में लिए जाने के बाद दिपके ने आंदोलन को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अजिंक्य शिंदे को सौंप दी है। दिपके ने शनिवार को पहले से रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में घोषणा की कि सीजेपी के संगठन प्रभारी शिंदे अन्य नेताओं की रिहाई तक प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

विमान से दिपके को हिरासत में लिए जाने के तुरंत बाद यह वीडियो सीजेपी के एक्स खाते पर पोस्ट किया गया। इसमें दिपके ने शीर्ष नेतृत्व की अनुपस्थिति में आंदोलन की कमान शिंदे को सौंप दी।

दिपके ने वीडियो में कहा, "अगर आप यह वीडियो देख रहे हैं, तो इसका मतलब है कि मुझे, सौरव दास और आशुतोष रांका को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमारी अनुपस्थिति में अजिंक्य, प्रदर्शन और सीजेपी आंदोलन का नेतृत्व करेंगे। कृपया उनका साथ दें।"

अभिजीत ने संभावित गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए यह वीडियो पिछली रात ही रिकॉर्ड कर लिया था।

एक वीडियो बयान में शिंदे ने समर्थकों से जंतर-मंतर की ओर बढ़ते रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस उन्हें जहाँ भी रोके, वे उसी जगह प्रदर्शन शुरू कर दें।

शिंदे ने कहा, "सरकार हमारी एकता से डरी हुई है। कृपया जंतर-मंतर पहुँचें। अगर पुलिस आपको रोकती है, तो उसी जगह को जंतर-मंतर बना दें।"

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए दिपके और सीजेपी के सदस्य सौरव दास तथा आशुतोष रांका मुंबई से राजधानी पहुँचे थे। दिल्ली में विमान के उतरते ही पुलिसकर्मी विमान

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- अतः फ्लाइट पकड़ने के लिए मुंबई के सांताक्रूज़ हवाई अड्डे पर प्लेन पर चढ़ने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया।
- इसलिए उन्होंने पहले से ही एक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया तथा गिरफ्तारी के बाद यह वीडियो कॉकरोज जनता पार्टी के अधिकृत एक्स हैंडिल पर रिलीज़ कर दिया गया।
- वीडियो में मैसेज था कि दीपके, सौरव दास व आशुतोष रंका को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा अजिंक्य शिंदे के नेतृत्व में आंदोलन आगे बढ़ता रहेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त का हटना, क्या हसीन ख्वाब ही है?

उनको हटाना उतना ही कठिन है, जितना सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को जबरन पद मुक्त करना

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में युवाओं के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन शनिवार, 10 अक्टूबर को तेज़ हो गया। इस दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं, विपक्ष के प्रमुख नेताओं, छात्र कार्यकर्ताओं और हज़ारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई के बाद, जंतर-मंतर पर होने वाला प्रस्तावित प्रदर्शन चुनाव की निष्पक्षता, चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को लेकर एक बड़े राजनीतिक टकराव में बदल गया।

- ऐसे भी कुछ आसार नज़र नहीं आते कि, उन्हें "अचानक" अपराध बोध" होगा, और वे स्वयमेव इस्तीफा दे देंगे।

पुलिस अधिकारियों के हवाले से मिली खबरों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने राजधानी में 3,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरव दास तथा आशुतोष रांका को मुंबई से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद, विमान के अन्दर ही हिरासत में ले लिया गया। प्रदर्शन स्थल तक पहुँचने से पहले ही आंदोलन के प्रमुख नेताओं को हिरासत में लिए जाने से, छात्र संगठनों और विपक्षी दलों का समर्थन हासिल कर चुके आंदोलन से निपटने के लिए अधिकारियों ने जो रवैया अपनाया उस पर सवाल उठे। पुलिस ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं और पहले से पर्याप्त सूचना न मिलने का हवाला देते हुए, प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

पुलिस की कार्रवाई केवल सीजेपी के नेताओं तक सीमित नहीं रही। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात की

चेन्नई, 10 अक्टूबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष जोसेफ विजय से चेन्नई के पास पनैयूर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री विजय ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान राहुल गांधी ने मदुरांतकम और धारापुरम विधानसभा क्षेत्रों में टीवीके की जीत पर विजय को बधाई दी। इसके बाद दोनों नेताओं ने दोपहर के भोजन के दौरान बातचीत की।

- उन्होंने विजय को उपचुनावों की जीत पर बधाई दी।

राहुल गांधी और मुख्यमंत्री विजय के बीच हुई इस बैठक में टीवीके, कांग्रेस या गठबंधन में शामिल किसी अन्य दल का कोई नेता मौजूद नहीं था। बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

'जन्तर-मन्तर सब जगह प्रस्फुटित हो जाएंगे, अगर सरकार ने प्रदर्शनकारियों को "ब्लॉक" किया'

अखिलेश यादव जैन ज़ी के आंदोलन को केवल दिल्ली तक सीमित नहीं देखना चाहते

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी सहित, कई राजनीतिक दलों ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों में युवाओं की नाराज़गी का फायदा उठाने के लिए अपने प्रयास तेज़ कर दिए हैं।

आज सीजेपी के प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर पहुँचने से रोकने की केन्द्र सरकार की कोशिशों के बीच, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की चेतावनी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "अगर सरकार प्रदर्शनकारियों को रोकती है, तो देश में हर जगह जंतर-मंतर खड़े हो जाएंगे।"

- अखिलेश, इस आंदोलन को यूपी तक ले जाने के इच्छुक हैं, क्योंकि उनका कार्यक्षेत्र यूपी है, और वे यूपी में इस जैन ज़ी की ऊर्जा का उपयोग करना चाहते हैं।
- इसके प्रयुक्तर में भाजपा मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़े पैमाने पर एक लाख शिक्षण संस्थाओं में "आउटरीच" चला रखा है।
- कांग्रेस इन मुद्दों पर ज्यादा सक्रिय नहीं, वह सपा के साथ सम्बंध दोस्ताना रखने में ही अपनी सार्थकता समझ रही है।

ऐसा लगता है कि अखिलेश यादव इस आंदोलन को केवल दिल्ली तक सीमित न रखकर, इसे व्यापक रुप देना चाहते हैं। साथ ही, वे जंतर-मंतर को युवाओं की जागृति और नई राजनीतिक चेतना के प्रतीक के तौर पर पेश करना चाह रहे हैं। इस संदेश के ज़रिए यह दिखाने की कोशिश की जा रही है कि प्रदर्शन पर रोक लगाना भारतीय जनता पार्टी की तानाशाही सोच का सबूत है। ऐसी रोक, विरोध को खत्म करने के बजाय, उल्टा असर करेगी। इसके साथ ही, समाजवादी पार्टी खुद को जैन ज़ी के जोश और ऊर्जा के साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है, क्योंकि आगामी चुनावों में युवा मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

पिछले एक साल में उत्तर प्रदेश में छात्रों का विरोध लगातार देखने को मिला है। लेखपाल और सब-इंस्पेक्टर

(शेष पृष्ठ 5 पर)

लोक अदालत में 8.60 लाख लंबित मुकदमों का निस्तारण हुआ

जयपुर, 10 अक्टूबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को साल 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें प्री-लिटिगेशन सहित कुल 67.20 लाख से अधिक मुकदमों का निस्तारण किया गया और 25 अरब रुपए से अधिक के अवार्ड जारी किए गए। निस्तारित हुए प्रकरणों में 8.60 लाख से अधिक लंबित मुकदमे शामिल हैं।

- वर्ष 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत में 25 अरब रूपए से अधिक के अवॉर्ड जारी हुए।

लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश भी मौजूद

(शेष पृष्ठ 5 पर)

124 आई.ए.एस. और आई.एफ.एस. ने चुनाव आयुक्त के पक्ष में तर्क प्रस्तुत किये

इन अफसरों के अनुसार, केवल आरोप लगाने से आरोप सिद्ध नहीं हो जाते

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भारत के चुनाव आयुक्त का बचाव करते हुए 124 पूर्व आईएएस और आईएफएस अधिकारियों के खुले पत्र ने भारत में चुनाव की निष्पक्षता, संस्थाओं की विश्वसनीयता और जनता के प्रति जवाबदेही के बीच संबंधों को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा किया है।

इस विवाद का मुख्य मुद्दा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पैशल इंटैन्सिव रिविज़न/एसआईआर) है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूचियों की पुष्टि करना, अयोग्य या डुप्लिकेट नामों को हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि केवल पात्र नागरिकों के नाम ही वोट देने के लिए पंजीकृत हों। पूर्व नौकरशाहों का मुख्य तर्क है कि चुनावी धांधली के आरोपों को केवल इसलिए सही नहीं मान लेना चाहिए कि उन्हें राजनीतिक रूप से जोरदार तरीके से उठाया जा रहा है। ऐसे आरोपों को विश्वसनीय सबूतों से साबित किया जाना चाहिए।

यह रूख लोकतंत्र के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत पर आधारित है। चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार संस्था के खिलाफ लगाये गये आरोपों का मूल्यांकन, सत्यापन योग्य तथ्यों के आधार पर किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक बयानबाजी के आधार पर। हेरफेर के दावों तथा विशिष्ट अनियमितताओं की पहचान होनी चाहिए, सहायक दस्तावेज़ दिए जाने चाहिए और सबूतों की निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए। इसी तरह, चुनाव आयोग को भी अपनी प्रक्रियाओं और फैसलों से जुड़े उचित सवालों के जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

- इन अफसरों के अनुसार, किसी आरोप को केवल इसलिए "सिद्ध" नही मान लेना चाहिए, क्योंकि वह आरोप बड़े पुरजोर ढंग से बहुप्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा लगाया गया है।
- आरोप "सिद्ध" तभी माना जाना चाहिये जब, आरोप को सही सिद्ध करने के लिये प्रस्तुत तथ्यों की निष्पक्ष तरीके से जांच हो गई हो।

10 अक्टूबर, 2026 को सामने आया यह पत्र विपक्षी दलों और नागरिक समाज समूहों के विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है, जो मतदाता सूची संशोधन में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। विवाद इस दावे के कारण और बढ़ गया है कि मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में नाम गायब हो गए हैं और चिंताएं हैं कि वैध मतदाताओं के नाम भी हटाए जा सकते हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य डुप्लिकेट, मृत और अन्यथा अयोग्य मतदाताओं के नामों की पहचान करना है।

पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले पूर्व अधिकारियों ने चुनाव हारने पर चुनावी नतीजों को चुनौती देने की प्रवृत्ति पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि किसी संस्था को किसी राजनीतिक दल की जीत के समय विश्वसनीय और हार के समय बेईमान नहीं कहा जा सकता। उन्होंने भारत के चुनावी सुरक्षा उपायों का भी उल्लेख किया है। इसमें मतदान केन्द्रों पर मतदान एजेंटों की मौजूदगी, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को सील करना और उनकी सुरक्षा, स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्था तथा वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) के माध्यम से सत्यापन शामिल हैं।

उनका तर्क है कि वोटों में हेराफेरी के आरोपों के साथ ऐसे सबूत भी होने चाहिए, जिनकी उचित कानूनी और संस्थागत प्रक्रियाओं के माध्यम से जाँच की जा सके। केवल सार्वजनिक रूप से आरोप लगा देने से उन्हें साबित तथ्य नहीं माना जाना चाहिए।

एसआईआर केवल मतदाता सूचियों को अपडेट करने की तकनीकी प्रक्रिया नहीं है। मतदाता सूचियाँ तय करती हैं कि कौन अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है। सूचियों को सही करने से, गलत पहचान बताकर मतदान करने, एक ही व्यक्ति के कई बार रजिस्ट्रेशन और अन्य गड़बड़ियों को रोकने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यदि जाँच प्रक्रिया (वैरिफिकेशन प्रोसैस) के दौरान गलती से योग्य वोटरों के नाम हट जाते हैं, तो इससे नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो सकते हैं और जिस निष्पक्षता के लिए यह प्रक्रिया

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सीजेपी आज फिर जंतर-मंतर के लिए कूच करेगी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अजिंक्य शिंदे ने एलान किया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन उनका इस्तीफा न होने तक जारी रहेगा। सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रविवार को सीजेपी के कार्यकर्ता और प्रदर्शनकारी एक बार फिर से जंतर-मंतर की ओर कूच करेंगे।

- सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने ऐलान किया कि उनका प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा न होने तक जारी रहेगा।

उन्होंने आगे कहा, अभिजीत दिपके की दादी का आज निधन हो गया। इसके बावजूद पुलिस ने दिपके को उनके वकील या घर वालों से बात नहीं करने दी। पुलिस उन पर इमोशनल

पर्यटन सीजन शुरु, जैसलमेर में विदेशी सैलानियों की आवक बढ़ने लगी

जर्मनी के सैलानियों ने स्वर्णनगरी की ऐतिहासिक विरासत को निहारा

जैसलमेर, (निसं)। पर्यटन सीजन की शुरुआत के साथ ही स्वर्णनगरी जैसलमेर में विदेशी सैलानियों की आवक बढ़ने लगी है। शनिवार को जर्मनी से आए सैलानियों के एक समूह ने शहर के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर यहां की स्थापत्य कला, पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी और राजस्थानी लोक संस्कृति को करीब से देखा। गड़ीसर सरोवर से शुरू हुआ उनका पर्यटन सफर सोनार दुर्ग, दीवान नथमल की हवेली और पटवा हवेली होते हुए रेतीले धोरों तक पहुंचा।

सैलानियों ने सबसे पहले गड़ीसर सरोवर का भ्रमण किया। इसके बाद वे विश्वविख्यात सोनार दुर्ग पहुंचे। दुर्ग के अखे प्रोल चौक में सैलानियों ने पीले पत्थरों पर उकेरी गई कलात्मक कारीगरी को पृष्ठभूमि में रखते हुए यादगार तस्वीरें खिंचवाईं। समूह में शामिल जूलिया ने सभी सदस्यों के साथ सामूहिक फोटो लिया। इसके बाद सैलानियों ने दुर्ग परिसर स्थित जैन मंदिरों, सिटी व्यू प्वाइंट और राजमहल का अवलोकन किया। सोनार दुर्ग के भ्रमण के बाद जर्मन सैलानी दीवान नथमल की ऐतिहासिक हवेली पहुंचे। यहां टूरिस्ट गाइड अमरदीप सिंह ने उन्हें हवेली के निर्माण और स्थापत्य कला से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैसलमेर के तत्कालीन महारावल बैरीसाल सिंह ने अपने दीवान मोहता नथमल के निवास के लिए इस हवेली का निर्माण करवाया था।



जर्मनी के सैलानियों ने सोनार दुर्ग की दीवार के आगे खड़े होकर यादगार फोटो लिया।

- गड़ीसर सरोवर से शुरू हुआ सैलानियों का पर्यटन सफर सोनार दुर्ग, दीवान नथमल की हवेली और पटवा हवेली होते हुए रेतीले धोरों तक पहुंचा
- जर्मन सैलानी जैसलमेर के प्रसिद्ध सैंड ड्यून्स पहुंचे, यहां रेगिस्तान के जहाज कहे जाने वाले ऊंट की सवारी का आनंद लिया

गाइड के अनुसार, हवेली का निर्माण हाथी और लूलू नामक दो वास्तुकार भाइयों ने किया था। दोनों भाइयों ने निर्माण कार्य हवेली के अलग-अलग सिरों से एक साथ शुरू किया था। इसके कारण दोनों हिस्सों की नक्काशी और बनावट में मामूली अंतर दिखाई देता है, लेकिन समग्र रूप में दोनों भागों में अद्भुत संतुलन नजर आता है। पूरी हवेली पीले बलुआ पत्थर से निर्मित है। मुख्य द्वार पर पत्थर से तराशे गए दो हाथियों की आकृतियां इसकी सुंदरता में चार चांद लगाती हैं।

हवेली की बारीक नक्काशी देखकर सैलानी लुकास अभिभूत नजर आए। उन्होंने कहा कि पीले पत्थर पर इतनी बारीक कारीगरी उन्होंने अपने जीवन में पहली बार देखी है। वहीं, सैलानी लारा हवेली के अग्रभाग में दोनों हिस्सों पर की गई अलग-अलग चित्रकारी को देखकर प्रभावित हुईं। इसके बाद समूह ने पांच भाइयों की ऐतिहासिक पटवा हवेली का भ्रमण किया। हवेली के अग्रभाग पर पीले पत्थर में उकेरी गई चिड़ियों, मोर और कबूतरों सहित विभिन्न पक्षियों की कलाकृतियों ने सैलानी मारिया का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने इन कलाकृतियों को देखकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इतनी बड़ी संख्या में बारीक नक्काशी उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। सैलानियों ने पटवा हवेली चौक में कठपुतलियों की दुकान भी देखी और स्थानीय हस्तकला में रुचि दिखाई।

ऐतिहासिक इमारतों के भ्रमण के बाद जर्मन सैलानी जैसलमेर के प्रसिद्ध सैंड ड्यून्स पहुंचे। यहां उन्होंने रेगिस्तान के जहाज कहे जाने वाले ऊंट की सवारी का आनंद लिया। साथ ही स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोकगीत सुनकर मरुधरा की लोक संस्कृति को महसूस किया। जर्मन सैलानियों का यह भ्रमण जैसलमेर की ऐतिहासिक विरासत, स्थापत्य कला और रेगिस्तानी संस्कृति के विविध रंगों से रूबरू होने का अवसर बना। सोनार दुर्ग की भव्यता, हवेलियों की बेजोड़ नक्काशी और धोरों में लोक संगीत की गूंज ने उनके पर्यटन अनुभव को यादगार बनाया।

रक्षा मंत्री का गजसिंह ने उम्मेद भवन पैलेस में स्वागत किया



केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का उम्मेद भवन पैलेस पहुंचने पर गजसिंह व हेमलता राज्ये द्वारा बुके भेंट कर उनका स्वागत किया।

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व पूर्व नरेश गजसिंह की शनिवार को उम्मेद भवन पैलेस के मारवाड़ हाल में मुलाकात हुई। गजसिंह की तरफ से लंच का आयोजन रखा गया था। रक्षा मंत्री का उम्मेद भवन पैलेस पहुंचने पर गज सिंह व हेमलता राज्ये द्वारा बुके भेंट कर उनका स्वागत किया गया। गज सिंह ने इस दौरान रक्षा मंत्री के समक्ष केंद्र में राजस्थान की तरह ईडब्ल्यूएस में सरलीकरण की मजबूती से बात रखी और उन्हें पत्र भी सौंपा।

- गज सिंह ने रक्षा मंत्री के समक्ष केंद्र में राजस्थान की तरह ईडब्ल्यूएस में सरलीकरण की मजबूती से बात रखी और पत्र सौंपा

उन्होंने अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस संबंध में बात करें। गजसिंह ने कहा कि ईडब्ल्यूएस पात्रता की 5 एकड़ भूमि संबंधी शर्त व केंद्रीय परीक्षाओं में आयु सीमा और शुल्क में छूट दी जाए। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवाओं को शिक्षा और रोजगार में अवसर देना है, यह उद्देश्य तभी पूरा होगा जब पात्रता के नियम देश के अलग-अलग क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखें और युवाओं को अवसर तक पहुंचने में व्यावहारिक सहायता मिले।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने 2019 में राज्य की नौकरी और राज्य संचालित शिक्षण संस्थानों के लिए ईडब्ल्यूएस पात्रता में भूमि और आवासीय संपत्ति की शर्तें हटाकर 8 लाख की वार्षिक पारिवारिक आय को आधार बनाया था। केंद्र सरकार भी इस व्यावहारिक राज्य स्तरीय उदाहरण को केंद्रीय नौकरियों और शिक्षण संस्थानों के लिए अपनाने पर विचार करें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सरकारी भर्ती परीक्षा में ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को आयु सीमा में प्रयुक्त छूट और आवेदन शुल्क में रियायत दी जाए ताकि पात्र युवा आर्थिक कठिनाई के कारण प्रतियोगिता में भाग लेने के अवसर से वंचित नहीं हो।

उन्होंने इस अवसर पर रक्षा मंत्री से अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री व कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग और संबंधित मंत्रालयों के समक्ष इस जनहित के विषय को उठाकर समयबद्ध समीक्षा का मार्ग प्रशस्त करें। ऐसा होने से आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को केंद्र की नौकरियों में भी अधिक फायदा मिल सकेगा। मुलाकात के दौरान जोधपुर में हवाई सुविधाओं की ओर बढ़ोतरी, मारवाड़ की संस्कृति व पर्यटन के संबंध में भी चर्चा हुई। उम्मेद भवन पैलेस में इस अवसर पर सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणी, सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ, वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

पुष्कर सरोवर के रामघाट पर दो युवक डूबे, एक की मौत

पुष्कर, (निसं)। शनि अमावस्या के अवसर पर पुष्कर सरोवर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच रामघाट पर स्नान करते समय दो युवक डूबने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम और स्थानीय पुरोहित राहुल पाराशर ने बचाव अभियान चलाया। टीम ने दोनों युवकों को सरोवर से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां एक युवक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे युवक की जान बचा ली गई।

मृतक की पहचान अरविंद सोनी (24) पुत्र इंदरचंद सोनी, निवासी बिंदासर, जिला चूरू के रूप में हुई है। वहीं, बचाए गए युवक की पहचान मोनू सोनी (20) पुत्र ओमप्रकाश सोनी, निवासी टाटनवा, जिला सीकर के रूप में हुई है। सिविल डिफेंस टीम के किशन गोपाल जाट ने बताया कि रामघाट पर दो युवकों के डूबने की सूचना मिलने पर टीम के सदस्य तत्काल बचाव कार्य में जुट गए। किशन गोपाल जाट, राधेश्याम माली, सुनील सोनी, हिम्मत सिंह, सुरेंद्र परिहार और नरेश दगदी ने स्थानीय पुरोहित राहुल पाराशर के सहयोग से दोनों युवकों को सरोवर से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने अरविंद सोनी को मृत घोषित कर दिया, जबकि मोनू सोनी को बचा लिया गया। शनि अमावस्या पर हुए इस हादसे से श्रद्धालुओं के बीच चिंता का माहौल रहा।

- दूसरे को बचाया, शनि अमावस्या पर स्नान के दौरान हुआ हादसा

युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। गांव मिट्ठी रेडू में खेत में कृषि कार्य के दौरान कुंड से पानी निकालते समय पैर फिसलने से पानी में डूबने के कारण गांव बैजूवा निवासी 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही राजगढ़ थाना पुलिस ने मौका निरीक्षण किया और युवक के शव को पानी के कुंड से बाहर निकालने की कार्रवाई की।

थाना अधिकारी राजेश सिहाग ने बताया कि गांव बैजूवा निवासी पूर्ण सिह ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसका भतीजा सचिन पुत्र रामभगत अपनी ससुराल मिट्ठी रेडू में गया हुआ था, जहां 9 अक्टूबर को खेत में कृषि कार्य के दौरान कुंड से पानी निकालते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कुंड में पानी में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

टोंक में साइबर ठगी का एक आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। बरौनी थाना क्षेत्र में थाना बरोनी टीम व जिला स्पेशप टीम ने साइबर ठगी के खिलाफ संयुक्त कार्यवाही करते हुए उनके नेटवर्क का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी सोशल मीडिया पर मुनाफे का लालच देकर लोगों से ऑनलाइन ठगी करते थे। पुलिस ने कब्जे से 8 मोबाइल फोन, एक टैबलेट, 14 एटीएम कार्ड, 14 सिम कार्ड सहित साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान जब्त किया है। वहीं दोनों आरोपियों द्वारा अपने म्यूल अकाउंट में कुल 51 हजार 55 रुपये की राशि प्राप्त की गई है। पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश मीणा निवासी राजाधिराजपुरा दत्तवास को गिरफ्तार किया है तथा दूसरा आरोपी मुकेश मीणा फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस के अनुसार मुकेश मकान मालिक है, उसकी तलाश की जा रही। पुलिस इन उपकरणों और दस्तावेजों के आधार पर ठगी के नेटवर्क से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। मामले में बरौनी थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर 6 शिकायतें दर्ज हैं।

वाहन की चपेट से बाइक सवार दो जनों की मौत, तीन घायल

दो बाइकों पर सवार पांच युवक बारां में आयोजित डोल मेले से वापस कोटा की ओर आ रहे थे

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में शुक्रवार देर रात्रि को अज्ञात वाहन की चपेट मे आने से दो बाइक पर सवार पांच जने घायल हो गये, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दो बाइकों पर सवार पांच युवक बारां में आयोजित डोल मेले से वापस कोटा की ओर आते समय फोरलेन पर कैथून थाना इलाके के डायरा के समीप पीछे से तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने दोनों बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो बाइकों पर सवार पांच जनो में से दो की मौत हो गई एवं तीन अन्य घायल हो गये। कैथून थानाधिकारी मनोज सिकरवार ने बताया कि दो बाइकों पर सवार पांच युवक बारां में आयोजित डोल मेला देखकर वापस कोटा की ओर आते समय नेशनल हाईवे-27 पर थाना इलाके के डायरा के समीप दोनों बाइक सवार अज्ञात वाहन की चपेट में आ गये, हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में बाइक सवार बरडा बस्ती निवासी सुनील हरित (24) की मौके पर ही मौत हो गई एवं गंभीर रूप से घायल घोड़ा बस्ती निवासी सोनू उर्फ सन्नी (24) ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं हादसे में घोडा बस्ती निवासी दीपक, बरडा बस्ती निवासी विष्णु और घोड़ा बस्ती निवासी इंद्र घायल हो गये सभी घायलों को उपचार के लिये कोटा के अस्पताल में भर्ती कराया गया, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

- अज्ञात वाहन ने दो बाइक सवार पांच युवकों को टक्कर मार दी थी



कैथून थाना इलाके में हादसे में मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गई।

सीकर में चूरू के सर्राफा कारोबारी और मुनीम से सोने के गहने लूटे

सीकर, (निसं)। सीकर में सोने की डाई कटिंग करवाने आए चूरू के सर्राफा कारोबारी और मुनीम से लूट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने कारोबारी के मुनीम को बीच सड़क पर थप्पड़ मारकर सोने के गहने लूट लिए। पीड़ित सर्राफा कारोबारी ने सीकर के कोतवाली पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है।

चूरू के वार्ड नंबर 9 निवासी आशुतोष सोनी ने कोतवाली पुलिस थाने में शिकायत दी है। शिकायत में बताया कि वह अपने मुनीम गणपत दास के साथ 8 अक्टूबर को ज्वैलरी के काम से सीकर आए थे। शाम को करीब 4:20 बजे मुनीम गणपत दास घंटाघर के पास स्थित बसंत कुमार राकेश की दुकान से डाई कटिंग करवाकर चांदपोल गेट की तरफ जा रहे थे।

इसी दौरान क्लब फॉक्स शोरूम चौराहे पर एक अंजान आदमी मुनीम के पीछे चल रहा था, जिसने अचानक रोक लिया। इसके बाद वह अनजान आदमी खुद को अधिकारी बताकर कहने लगा कि तुम्हे साहब बुला रहे हैं। संदिग्ध आदमी मुनीम गणपत दास को अपने साथी के पास ले गया। दूसरा व्यक्ति बैग चेक करने का ड्रामा करने लगा। फिर थप्पड़ मारकर मुनीम गणपत दास से बैग छीन लिया।

मुनीम ने विरोध किया तो थप्पड़ मारकर साइड में खड़े रहने को कहा। इसके बाद बैग से एक डिब्बा निकाला, जिसमें 160.640 ग्राम सोने की कटाई, 3.300 ग्राम सोने के चार मंगलसूत्र, 34 सोने के मोती, 5 ग्राम वजन की एक सोने की नथ और पैंडल सेट सहित अन्य गोल्ड लूट लिया। इसके बाद वह लोग वहां से फरार हो गए।

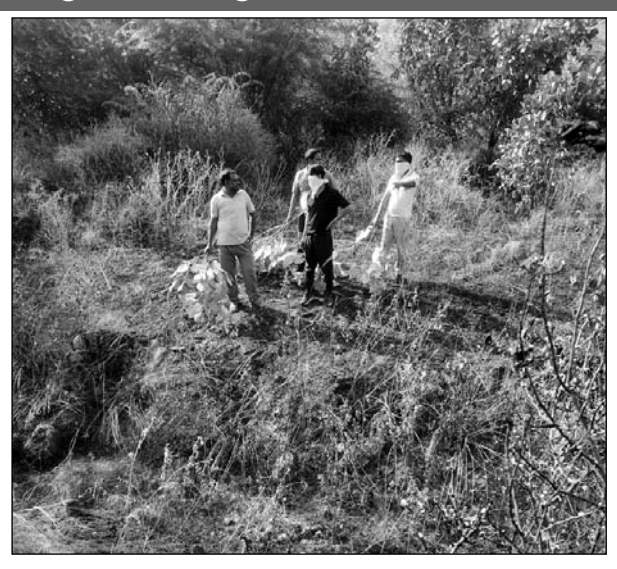
- सोने की डाई कटिंग करवाने आए थे चूरू के सर्राफा कारोबारी और मुनीम
- आरोपियों ने कारोबारी के मुनीम को बीच सड़क पर थप्पड़ मारकर वारदात की और फरार हो गये

पावटा क्षेत्र के भोनावास दह धाम की पहाड़ियों में आग लगी

आग से वन क्षेत्र में मौजूद वन्यजीवों, पेड़-पौधों और प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई

पावटा, (निसं)। क्षेत्र के भोनावास हनुमान मंदिर दह धाम की पहाड़ियों में अज्ञात कारणों से आग लगने की घटना सामने आई है। पहाड़ियों में लगी आग से वन क्षेत्र में मौजूद वन्यजीवों, पेड़-पौधों और प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचने की आशंका है। आग की लपटों ने पहाड़ियों के प्राकृतिक वातावरण को प्रभावित किया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को लेकर चिंता बढ़ गई है। पहाड़ियों में आग लगने से वहां रहने वाले छोटे-बड़े वन्यजीवों के जीवन पर संकट मंडरा रहा है। आग की चपेट में आने से जीव-जंतुओं के प्रभावित होने के साथ ही उनके प्राकृतिक आवास को भी नुकसान पहुंच सकता है।

भोनावास दह धाम की पहाड़ियां प्राकृतिक सौंदर्य और वन संपदा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में आग की घटना ने वन एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं आग की सूचना पर पावटा प्रागपुरा नगरपालिका की दमकल व प्रागपुरा थाना पुलिस पहुंची व करीब 6 घंटे बाद पहाड़ी के नीचे वाले हिस्से में लगी आग पर काबू पाया। आग से उठ रहा धुआं पूरे क्षेत्र में प्रदूषण फैला रहा है, जिससे लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा आग से निकलने वाला धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा है, जिसका असर आम लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। लोग कहते हैं वन विभाग को आग की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस और प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर जानबूझकर आग लगाने वाले शरारती तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।



स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने के प्रयास किये।

अज्ञात कारणों से किराना दुकान में आग लगी : कोटपूतली केनिकटवर्ती ग्राम खेड़ा निहालपुरा में शनिवार दोपहर एक गरीब परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा पलभर में जलकर राख हो गया। खेड़ा निहालपुरा निवासी मोहित पुत्र गजेसिंह की किराना दुकान में शनिवार को अज्ञात कारणों से अचानक भीषण आग लग गई। दुकान के पास से ही आम रास्ता गुजरता है। आशंका जताई जा रही है कि रास्ते से गुजरते समय किसी राहगीर ने जलती हुई बीड़ी लापरवाही से वहाँ फेंक दी, जिसकी चिंगारी ने धीरे-धीरे सुलगकर विकराल आग का रूप ले लिया। पीड़ित मोहित गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। इस किराना स्टोर के अंदर रखा करीब 70 हजार रुपये का पूरा सामान व नकदी जलकर पूरी तरह खाक हो गई है।

ब्यावर में कलैक्टर की जनसुनवाई में पीड़ितों को मिल रही है सहायता

जयपुर/ब्यावर। मुश्किल वक्त में जब अपनों के अलावा किसी से मदद की उम्मीद नहीं होती, तब शासन-प्रशासन का साथ किसी सहारे से कम नहीं होता। ब्यावर के शाहपुरा मोहल्ला निवासी मुकेश वैष्णव और उनकी पत्नी विमला देवी के लिए जिला प्रशासन की पहल ऐसी ही मददगार साबित हुई। साधन संसाधन में सबसे कमजोर व्यक्ति को सबसे पहले मदद देकर अंत्योदय के सिद्धान्त को व्यवहार में लाने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संकल्प को समझना है तो मुकेश के साथ घटी घटना के पहलुओं पर गौर करना होगा।

- पत्नी के इलाज के लिए पति को आर्थिक मदद और एम्बुलेंस की व्यवस्था मिली, डेढ़ माह के इलाज के बाद स्वास्थ्य में सुधार हुआ

मुकेश की पत्नी विमला देवी करीब पांच-छह वर्ष पहले मोटरसाइकिल दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई, हादसे के बाद उनके पैरों में संक्रमण हो गया और धीरे-धीरे उनका चलना-फिरना पूरी तरह बंद हो गया। संक्रमण बढ़ने पर एम्स, जोधपुर में घाव का उपचार कराया गया लेकिन स्थिति गंभीर होने और गैंगरीन सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याएं सामने आने के बाद वर्ष 2022 में विक्टोरिया अस्पताल, अजमेर में उनका पैर काटना पड़ा।

मुकेश ने बताया कि पत्नी की तबीयत अक्सर खराब रहती है और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। आर्थिक परेशानियों के बीच पत्नी के इलाज को लेकर वे बेहद चिंतित थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी समस्या जनसुनवाई में जिला कलैक्टर कमल राम मीना के समक्ष रखी। जनसुनवाईयों का इतिहास पुराना है। शासन की हर प्रणाली में जनसुनवाई होती रही हैं लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पद की शपथ लेने के प्रथम दिन से ही जनसुनवाई को गरीब और वंचित की पीड़ा को हरने का माध्यम बनाने का फैसला लिया और मंत्रियों और अधिकारियों को जन की बात सुन कर समाधान निकालने के निर्देश दिए और इस निर्देश की पालना की निगरानी की पुख्ता व्यवस्था की। कलैक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई, साथ ही विमला देवी को एम्बुलेंस से ब्यावर से जोधपुर एम्स तक भेजा, जहां करीब डेढ़ माह से अधिक समय तक उपचार चला। उपचार के बाद अब उनके स्वास्थ्य में सुधार है। इलाज के बाद पत्नी के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे मुकेश वैष्णव ने जिला कलैक्टर कमल राम मीना से मुलाकात कर धन्यवाद और आभार जताया। उन्होंने कहा कि पत्नी की बीमारी और आर्थिक संकट के कठिन दौर में जिला प्रशासन से मिली मदद ने उन्हें बड़ा संबल दिया।



ब्यावर के शाहपुरा मोहल्ला निवासी मुकेश वैष्णव और उनकी पत्नी विमला देवी के लिए जिला प्रशासन की पहल मददगार साबित हुई



ये गेंदबाज हमारे अपने गेंदबाज हैं, किसी और के नहीं। इनके करियर दांव पर लगे हैं, इस ड्रेसिंग रूम तक पहुंचने के लिए इन्होंने बहुत मेहनत की है। अगर पिच पर बराबरी का मुकाबला होगा तो हमें क्रिकेट का एक बेहतर खेल देखने को मिलेगा।
- गौतम गंभीर

भारतीय कोच, खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



मैरी कॉम

ओलंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर मैरी कॉम के खिलाफ उनके पूर्व पति करोंग ओंखोलेर (ऑनलर) ने मानहानि की शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि मैरी कॉम ने एक टीवी इंटरव्यू में उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाली टिप्पणियां कीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इंटरव्यू में उनके बारे में यह धारणा बनाई गई कि उन्होंने मैरीकॉम के बैंक खातों से पैसे का गलत इस्तेमाल किया। साथ ही बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारियां छोड़ दीं। इसकी शिकायत 6 अक्टूबर को दिल्ली की साकेत कोर्ट में दर्ज की गई।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

डरबन टेस्ट में मैट रेनशॉ 190 रन बनाकर नाबाद

नाथन लायन आउट, दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी टी-ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 390/9



डरबन, 10 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मैट रेनशॉ ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक लगा दिया है। रेनशॉ 190 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके और नाथन लायन के बीच 9वें विकेट 134 रन की साझेदारी हुई। शनिवार को उन्होंने 46 रन के स्कोर से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में टी-ब्रेक तक 9 विकेट खोकर 390 से ज्यादा रन बना लिए हैं। उसने 187/6 के स्कोर से दिन की शुरुआत की। फिलहाल दूसरे दिन का दूसरा सेशन जारी है। सुबह 33 रन से पारी को आगे बढ़ाने वाले कप्तान पैट कमिंस 10 रन ही जोड़ सके और 43 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें वियान मुल्डर ने मार्करम के हाथों कैच कराया। उन्हें तीसरा विकेट मिला। मार्को यानसन और एनरिक नॉर्त्या ने 2-2 विकेट लिए।

मैट रेनशॉ ने टेस्ट में दूसरा शतक लगाया

पहले दिन 46 रन पर नाबाद लौटे मैट रेनशॉ ने दिन की दूसरी बॉल पर चौका चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने करियर का दूसरा शतक लगाया। कप्तान पैट कमिंस के आउट होने के बाद रेनशॉ ने मिचेल स्टार्क (6 रन) के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियाई पारी को 200 पार पहुंचाया।

पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के 6 विकेट गिरे

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन मैच पर पकड़ बना ली। डरबन के किंग्समीड मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 187 रन बनाए।

पुर्तगाल विवाद के बाद रोनाल्डो की क्लब फुटबॉल में वापसी सऊदी अरब की लीग में उतरे, करियर का 980वां गोल किया

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल नेशनल टीम से जुड़े विवाद के बाद शुक्रवार को क्लब फुटबॉल में वापसी की। वे शुक्रवार रात को सऊदी प्रो लीग में अल-नसर की ओर से उतरे।

रोनाल्डो ने अल-नसर की ओर से दिरियाह के खिलाफ एक गोला किया। उनकी टीम को 3-0 की जीत मिली। इस जीत से सऊदी प्रो लीग के 8वें राउंड में अल-नसर के अंक अल-कादसिया के बराबर हो गए। गोल अंतर के कारण अल-नसर अंक तालिका में नेता अल-कादसिया से पीछे है। किंग्सले कोमान के क्षेत्र के बाहर से लगाए शॉट को गोलकीपर



वलीद अब्दुल्लाह ने रोक दिया। रोनाल्डो ने पास से रिबाउंड पर शॉट लगाकर गेंद गोल में पहुंचा दी। अल-नसर के लिए सैमू कोस्टा ने ब्रेक से ठीक पहले दूसरा गोल किया। टीम के कोच टॉटनहम हॉटस्पर के पूर्व बॉस आंजे पोस्टेकोग्लू हैं। कोमान ने मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले तीसरा गोल करके अल-नसर की जीत पक्की कर दी।

रोनाल्डो ने दागा 980वां गोल: रोनाल्डो ने पहले हाफ के बीच में गोल किया। यह उनके करियर का 980वां गोल था। वे इंटरनेशनल फुटबॉल में पुर्तगाल की ओर से 234 मैचों में 146 गोल कर चुके हैं।

भारत दौरे के लिए जिम्बाब्वे महिला टीम घोषित

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने भारत के खिलाफ 6 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम घोषित कर दी है। जोसेफिन एनकोमो टीम की कप्तानी करेंगी। चयनकर्ताओं ने हाल ही में वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार विमेंस चैंपियनशिप खिताब जीतने वाली सभी 15 खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा है। दौरे की शुरुआत 16 अक्टूबर से रायपुर में 3 मैचों की 20 सीरीज से होगी। इसके बाद वडोदरा में 3 वनडे खेले जाएंगे। जिम्बाब्वे ने 27 सितंबर को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया था। चयनकर्ताओं ने उस मुकाबले में खेलने वाली सभी 15 खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है। टीम भारत के खिलाफ भी इसी प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेगी। न्याशा ग्वांजुरा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लिए थे 4 विकेट: वेस्टइंडीज के खिलाफ ऐतिहासिक जीत में न्याशा ग्वांजुरा ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

तिलक ने टी-20 क्रिकेट में 5000 रन पूरे किये

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी तिलक वर्मा के बल्ले से 18 गेंदों में 44 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली जिसके दम पर उन्होंने एक ऐसा कारनामा कर दिया जो उनसे पहले टी20 क्रिकेट में कोई भी दूसरा खिलाड़ी करने में कामयाब नहीं हो सका था। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दम पर टी20 क्रिकेट में अपने 5000 रनों का आंकड़ा भी पूरा कर लिया जिसमें वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले सिर्फ पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जो 40 से अधिक के औसत और 140 प्लस के स्ट्राइक रेट के साथ पूरा करने में कामयाब हुए हैं। तिलक ने 175वें टी20 मैच में पूरे किए 5000 टी20 रन: टी20 क्रिकेट में तिलक वर्मा की गिनती मैच फिनिशर खिलाड़ी के तौर पर की जाती है जिसमें अभी तक उन्होंने इस भूमिका काफी बखूबी अंजाम दिया है। तिलक वर्मा ने टी20 क्रिकेट में अपने 5000 रनों का आंकड़ा अपने 175वें मैच में पूरा किया



जिसमें उन्होंने 166 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 41.57 के औसत से 5031 रन बनाए हैं, जिसमें उनके बल्ले से 5 शतकीय और 30 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। इस दौरान तिलक वर्मा के स्ट्राइक रेट को लेकर बात की जाए तो वह 145.36 का देखने को मिला है।

कोहली को तिलक ने छोड़ा पीछे : भारतीय खिलाड़ी के रूप में टी20 क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 5000 रनों का आंकड़ा पूरा करने के मामले में तिलक वर्मा ने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है, जिसमें वह इस मामले में 5वें सबसे तेज खिलाड़ी बने हैं। तिलक वर्मा ने जहां 166वीं पारी में अपने 5000 रन पूरे किए तो वहीं विराट कोहली ने उनसे एक पारी अधिक यानी 167 पारियों में टी20 क्रिकेट में अपने पांच हजार रनों का आंकड़ा पूरा किया था। इस लिस्ट में पहले नंबर पर केएल राहुल का नाम है जिन्होंने 143 पारियों में अपने 5000 रनों का आंकड़ा टी20 क्रिकेट में पूरा किया था।

टी-20 में सबसे कम पारियों में 5 हजार रन पूरे करने वाले भारतीय खिलाड़ी

केएल राहुल - 143 पारी
रुतुराज गायकवाड - 145 पारी
शुभमन गिल - 154 पारी
अभिषेक शर्मा - 165 पारी
तिलक वर्मा - 166 पारी
विराट कोहली - 167 पारी

अभय-शिफॉन का तूफान, राजस्थान ने मणिपुर को 279 रन से रौंदा

अभय शर्मा 162 रन बनाकर दोहरे शतक से चूके, शिफॉन खान ने 133 रन की शतकीय पारी खेली





जयपुर, 10 अक्टूबर। बीसीसीआई की राष्ट्रीय अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मणिपुर को 279 रन से शिकस्त दी। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 451 रन का विशाल स्कोर बनाया। अभय शर्मा ने 93 गेंदों पर 18 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 162 रन बनाए, जबकि शिफॉन खान ने 106 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्कों के साथ 133 रन की विस्फोटक पारी खेली। अभय दोहरे शतक से चूक गए। रजत बघेल ने 55 और यथार्थ भारद्वाज ने 47 रन का योगदान दिया। 451 रन के लक्ष्य के दबाव में मणिपुर की टीम 172 रन पर सिमट गई। राजस्थान की ओर से शोभाग सिंह भाटी ने तीन विकेट लिए, जबकि सुमीत सैनी और सुमित तेजी ने दो-दो विकेट झटके। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान के लिए अभय की 162 रन की पारी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में शामिल हो गई।

आईपीएल 2027 से पहले सीएसके को झटका, माइकल हसी ने आठ साल बाद छोड़ी टीम

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स में बदलाव का दौर जारी है। माइकल हसी ने 8 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स का साथ छोड़ दिया है। हसी पिछले 8 साल से चेन्नई टीम के साथ बल्लेबाजी कोच के तौर पर जुड़े हुए थे। उनसे पहले स्टीफन फ्लेमिंग और एरिक सिमंस छोड़ चुके हैं। हेड कोच फ्लेमिंग के जाने के बाद सपोर्ट स्टाफ में निरंतर बदलाव हो रहे हैं।

हेड कोच जहीर खान बन गए हैं, जबकि एरिक सिमंस की जगह गेंदबाजी कोच का रोल मोहित शर्मा ने ले लिया है। क्रिकबज के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स के फील्डिंग कोच जेम्स फोस्टर की नौकरी भी खतरे में पड़ती दिख रही है। बताया जा रहा है कि फोस्टर के कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ाने के फैसले पर फिलहाल रोक

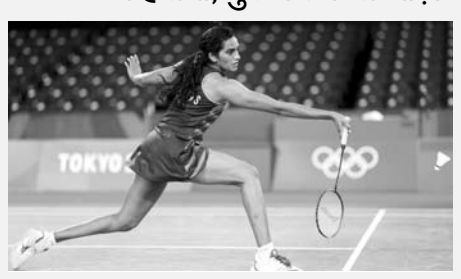


लगा दी गई है। फोस्टर इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर हैं और पिछले साल ही सीएसके को जॉइन किया था। माइकल हसी पिछले 8 साल से चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच बने हुए थे। उन्हें अपने कोचिंग रोस्टर से हटा दिया है। अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है कि उनकी जगह कौन लेगा। हसी बतौर खिलाड़ी और बतौर कोच भी चेन्नई फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े रहे। वह कुल 6 सीजन बतौर खिलाड़ी सीएसके के लिए खेले और साल 2018 से को तौर पर 5 बार की चैंपियन टीम से जुड़े हुए थे। इसी रिपोर्ट अनुसार मैनेजमेंट ने इस बारे में माइकल हसी को जानकारी दे दी है। खबर है कि माइकल कुछ अन्य टीमों के संपर्क में आए हैं। इसलिए यह चौंकाने वाली बात नहीं होगी कि 2027 में वो किसी दूसरी टीम को जॉइन कर लें।

सीएसके का नया सपोर्ट स्टाफ : स्टीफन फ्लेमिंग ने 18 साल बाद चेन्नई सुपर किंग्स का साथ छोड़ा था। जहीर खान को फिलहाल आईपीएल 2027 के लिए हेड कोच नियुक्त किया गया है। एरिक सिमंस भी पिछले 9 साल से चेन्नई टीम से जुड़े हुए थे, लेकिन अब मोहित शर्मा उनकी जगह लेने वाले हैं। फील्डिंग कोच जेम्स फोस्टर की नौकरी भी खतरे में है और माइकल हसी ने टीम का साथ छोड़ दिया है।

सिंधु आर्कटिक ओपन बैडमिंटन से बाहर

क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की खिलाड़ी ने हराया, पुरुष डबल्स जोड़ी भी बाहर



नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भारत की पीवी सिंधु शुक्रवार को फिनलैंड के वंता में आर्कटिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। 2 बार की ओलिंपिक पदक विजेता सिंधु को टॉप सीड और दुनिया की नंबर-5 खिलाड़ी रत्चानोक इंतानोन ने 21-11, 19-21, 21-18 से हराया। मुकाबला एक घंटे और दो मिनट चला। छठी वरीयता प्राप्त सिंधु ने जापान की रिको गुंजी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। बाद में पुरुष डबल्स में कृष्ण प्रसाद गरगा और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय की जोड़ी भी क्वार्टरफाइनल में हार गई। तीसरे गेम तक चला सिंधु-इंतानोन मैच: इंडोनेशिया की रत्चानोक इंतानोन ने पहला गेम 21-11 से जीता। सिंधु ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए 21-19 से जीत दर्ज की। इंतानोन ने निर्णायक गेम 21-18 से अपने नाम किया। इस जीत के साथ सिंधु के खिलाफ उनका हेड-टु-हेड रिकॉर्ड 10-4 हो गया है।

राजधानी

जयपुर परकोटे के नीचे मेट्रो सुरंग का काम शुरू

1511 करोड़ रु. की लागत से बनेगा 3.80 कि.मी. लम्बा कॉरिडोर

जयपुर,(कासं)। जयपुर मेट्रो के फेज-1सी के तहत परकोटे के नीचे भूमिगत सुरंग निर्माण का काम शनिवार को शुरू हुआ। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गलता गेट पर टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का शुभारंभ किया। उनके साथ प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया भी मौजूद थे।

करीब 1511 करोड़ रुपए की लागत से बड़ी चौपड़ से गलता गेट होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर तक 3.80 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसमें करीब 3 किलोमीटर भूमिगत ट्रैक और 0.8 किलोमीटर एलिवेटेड रैंप शामिल होगा। टीबीएम के जून-जुलाई 2027 तक बड़ी चौपड़ पहुंचने और पूरी परियोजना मार्च 2028 तक पूरी करने का लक्ष्य है।

परकोटे के नीचे बनेंगी दो समानांतर सुरंगें

परियोजना के तहत करीब 2.25 किलोमीटर लंबी दो समानांतर भूमिगत सुरंगें बनाई जाएंगी। आपात स्थिति में यात्रियों की सुरक्षित निकासी के लिए इनके बीच सात क्रॉस पैसेज भी बनेंगे। कॉरिडोर में दो स्टेशन प्रस्तावित हैं। गलता गेट स्टेशन भूमिगत और ट्रांसपोर्ट नगर स्टेशन एलिवेटेड होगा। गलता गेट स्टेशन करीब 200 मीटर लंबा और 24 मीटर चौड़ा होगा। इसका ट्रैक स्तर जमीन से लगभग 15 मीटर नीचे रहेगा।



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने जयपुर मेट्रो के लिए परकोटे के नीचे भूमिगत सुरंग निर्माण के कार्य का शुभारंभ गलता गेट पर टनल बोरिंग मशीन का बटन दबाकर किया। उनके साथ प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया भी मौजूद थे।

- **जून-जुलाई 2027 तक बड़ी चौपड़ पहुंचेगी टनल बोरिंग मशीन, मार्च 2028 तक परियोजना पूरी करने का लक्ष्य**

ऐतिहासिक इमारतों और बाजारों की सुरक्षा पर जोर

परकोटे में घनी आबादी, पुराने भवन, ऐतिहासिक धरोहरें, संकरी सड़कें और व्यस्त बाजार होने के कारण सुरंग निर्माण को चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है

। टीबीएम से जमीन के नीचे खुदाई के साथ कंक्रीट के खंड लगाकर सुरंग बनाई जाएगी, जिससे सड़कों पर बड़े स्तर पर खुदाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। निर्माण के दौरान आसपास की इमारतों, ऐतिहासिक संरचनाओं और बिजली-पानी जैसी उपयोगिता सेवाओं की लगातार निगरानी की जाएगी।

रामगंज चौपड़ के बजाय गलता गेट पर स्टेशन

योजना में पहले रामगंज चौपड़ स्टेशन प्रस्तावित था, लेकिन बाद में दोबारा सर्वे और तकनीकी व आर्थिक आकलन के बाद गलता गेट को स्टेशन बनाने का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य कॉरिडोर को अधिक आबादी और प्रमुख स्थलों से जोड़ना है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि जयपुर मेट्रो का विस्तार मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। फेज-1सी के बाद फेज-1डी के माध्यम से भी मेट्रो नेटवर्क के विस्तार की योजना है।

इन परियोजनाओं से ट्रांसपोर्ट नगर से अजमेर रोड की दिशा तक कनेक्टिविटी बढ़ाने और शहर में सड़क यातायात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान



विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शनिवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली विभूतियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से नवाजा गया।

जयपुर । विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शनिवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों को मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना चाहिए, ताकि लोग अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात कर सकें और समय पर पहचान के साथ उचित उपचार प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि वर्तमान में करीब 10 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की मानसिक परेशानी का सामना कर रही है। मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाने में परिवार, समाज और सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर डॉ. जोगाराम ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किशोर स्वास्थ्य विषयक पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाई प्रभारियों और पोस्टर प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने तथा तनाव कम करने के लिए पसंदीदा गतिविधियों और संगीत को अपनाने की सलाह दी। वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. शिव गौतम ने मानसिक रोगों से जुड़े सामाजिक कलंक को दूर करने पर जोर दिया। अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला ने जन्म से बुजुर्गावस्था तक जीवन के विभिन्न चरणों में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को बताया। निदेशक एड्स डॉ. सुशील परमार ने लत एवं मानसिक स्वास्थ्य, यूनिसेफ के हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ. अनिल अग्रवाल ने राजस्थान में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रयासों और स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका तथा अलख फाउंडेशन की रानू पाराशर ने संगीत चिकित्सा के महत्व पर विचार रखे। स्टेट नोडल ऑफिसर एनएमएचपी डॉ. एस.एम. स्वामी ने मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की गतिविधियों की जानकारी दी।

- **समारोह में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बेहतर उपचार पर जोर दिया**

तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श सेवाओं में राजस्थान देशभर में प्रथम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान को देशभर में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय संसाधन केंद्र ने पिछले 10 माह में किए गए कार्यों के आधार पर राज्य का चयन किया है। यह सम्मान जनवरी-फरवरी 2027 में नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने इस उपलब्धि पर अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में दंत चिकित्सकों के माध्यम से ब्लॉक स्तर तक 1.52 लाख से अधिक लोगों को तम्बाकू छोड़ने के लिए उपचार एवं परामर्श दिया गया। प्रदेश में 500 से अधिक तम्बाकू मुक्ति केंद्रों की जियो-टैगिंग की गई है तथा तम्बाकू छोड़ने में उपयोगी निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी) को निःशुल्क दवा सूची में शामिल किया गया है। राठौड़ ने बताया कि राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है, जहां दंत चिकित्सकों के माध्यम से ब्लॉक स्तर तक ये सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के कंट्री हेड डॉ. यवन जे.-एफ. हुटिन ने भी प्रदेश के प्रयासों की सराहना की है और सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी सहयोग दिया जा रहा है। तम्बाकू नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजस्थान सरकार को विश्व स्वास्थ्य संगठन का विश्व तम्बाकू निषेध दिवस अवार्ड-2026 भी मिल चुका है। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में राजस्थान को इस सम्मान के तहत प्रथम स्थान मिला था।

सवारी ने चाकू की नोंक पर ऑटो चालक से 12 हजार रु. लूटे

जयपुर(कासं)। जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में सवारी बनकर ऑटोरिक्शा में बैठे दो बदमाशों ने चालक को सुनसान कच्चे रास्ते पर ले जाकर लूट लिया। बदमाशों ने चालक के विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की और गले पर चाकू लगाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद जेब में रखे 500 रुपए लूट लिए और ऑनलाइन भुगतान ऐप का पासवर्ड पूछकर बैंक खाते से 11 हजार 600 रुपए ट्रांसफर कर लिए। वारदात के बाद दोनों बदमाश चालक को धक्का देकर गिराकर फरार हो गए। पीड़ित ने शुक्रवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एएसआई रतनलाल ने बताया कि गोनेर के बीमलपुरा निवासी सूर्यदेव साव (35) ऑटोरिक्शा चलाता है। 6 अक्टूबर को सुबह करीब 3 बजे वह सिंधी कैंप बस स्टैंड के बाहर खड़ा था। इसी दौरान दो युवक उसके पास आए और लालवास स्थित सीआरपीएफ कैंप तक जाने के लिए ऑटो का किराया पूछा। दोनों के बीच 300 रुपए किराया तय हुआ।

प्रत्याशियों को नाम निर्देशन पत्र भरने सहित निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी दी

बीकानेर,(कासं)। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले की समस्त पंचायत समिति मुख्यालयों पर संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा शनिवार को प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशालाएं आयोजित की गई।

इस दौरान संभावित प्रत्याशियों को नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने, इस दौरान रखी जाने वाली सावधानियों, आवश्यक दस्तावेजों एवं शपथ पत्र प्रस्तुत करने, विभिन्न स्तर के प्रत्याशियों के खर्चे और वाहनों की सीमा, आचार संहिता की पालना तथा विभिन्न कानूनी प्रावधानों सहित अन्य बिन्दुओं की जानकारी दी गई।

जिला मुख्यालय पर बीकानेर और रूणिया पंचायत समिति क्षेत्र के पंच, सरपंच, पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्य के प्रत्याशियों का प्रबोधन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी निशान्त जैन मौजूद रहे और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी दी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं आयोजित होने से प्रत्याशियों को नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने से लेकर निर्वाचन से जुड़ी प्रत्येक गतिविधि के प्रावधानों की जानकारी हो सकेगी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पहली बार ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। प्रत्याशी पूर्ण गंभीरता से इन कार्यशालाओं में भागीदारी निभाएं और सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त करें, जिससे छोटी-छोटी गलती के कारण नाम निर्देशन पत्र खारिज होने की संभावना ना रहे। उन्होंने कहा कि विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के समक्ष प्रत्याशी अपनी जिज्ञासाएं रखें, जिससे उनके प्रश्नों का जवाब मिल सके।



'प्रत्याशी प्रबोधन' कार्यशाला को जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत जैन ने संबोधित किया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी उम्मेद सिंह रतनू ने बताया कि पंचायत राज चुनाव से जुड़े सभी प्रत्याशियों को अदेय प्रमाण पत्र (नो ड्यूज) उसी स्थिति में देना होगा, जब किसी भी पंचायती राज संस्था द्वारा उस प्रत्याशी को किसी प्रकार का डिमांड नोटिस जारी किया गया है। अन्यथा किसी प्रत्याशी के लिए नो ड्यूज की जरूरत नहीं रहेगी। प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के सहायक प्रभारी पंकज शर्मा ने आचार संहिता से जुड़े समस्त प्रावधानों की जानकारी दी।

वरिष्ठ संयुक्त विधि परामर्शी नटवर लाल आचार्य ने विधि एवं कानूनी बिन्दुओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि प्रत्याशियों को पुलिस सत्यापन प्रस्तुत करने की जरूरत नहीं रहेगी। मास्टर ट्रेनर डॉ. वाई. बी. माथुर और डॉ. सुरेन्द्र राठी ने नाम निर्देशन पत्र से जुड़ी जानकारी दी।

- राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पहली बार प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं, जिसमें चुनाव संबंधी सभी जानकारी दी जायेंगी

इस दौरान बीकानेर पंचायत समिति की रिटर्निंग अधिकारी और उपखंड अधिकारी महिमा कसाना, रुणिया पंचायत समिति की रिटर्निंग अधिकारी एवं प्रशिक्षु आईएएस सुश्री स्वाति शर्मा, भाजपा के श्याम सिंह हाडला, कांग्रेस से प्रहलाद सिंह मार्शल, शिवलाल गोदारा, आरएलपी के दानाराम घिंटाला सहित विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधि और प्रत्याशी मौजूद रहे। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना में जिले की प्रत्येक पंचायत समिति मुख्यालयों पर प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशालाएं आयोजित हुई।

करणी माता मंदिर आज से 24 घंटे खुला रहेगा

बीकानेर, (कासं)। देशनोक स्थित विश्व प्रसिद्ध करणी माता मंदिर में शारदीय नवरात्र के दौरान 10 अक्टूबर से मंदिर 24 घंटे श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुला रहेगा। इस बार भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। आमतौर पर दो कतारों में दर्शन करवाए जाते हैं, लेकिन इस बार पांच कतारों की व्यवस्था की जायेगी।

नवरात्र की शुरूआत 11 अक्टूबर को घट स्थापना के साथ होगी। मंदिर में सुबह 9:32 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक विधिवत पूजा-अर्चना की जायेगी। पंडित नरोत्तम दास मिश्रा के सानिध्य में घट स्थापना होगी। इसी शुभ मुहूर्त में बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने घरों में भी घट स्थापना कर मां करणी की आराधना करेंगे। नवरात्रि के साथ ही मंदिर में धार्मिक आयोजनों का सिलसिला शुरू हो जायेगा।

नवरात्रि में देशनोक पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए वाहनों की पार्किंग के लिए करणी सागर मैदान निर्धारित किया गया है। इससे मंदिर के आसपास यातायात व्यवस्था सुचारू रखने में मदद मिलेगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से 250 से अधिक सेवादार लगाये गए हैं। ये दर्शन व्यवस्था संभालने, श्रद्धालुओं को रास्ता दिखाने, कतारों को व्यवस्थित करने और जरूरत पड़ने पर सहायता उपलब्ध कराने का काम करेंगे।

सार-समाचार

छात्रों-शिक्षकों ने ली समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ



पवनपुरी दक्षिण विस्तार स्कूल के छात्रों-शिक्षकों और अभिभावकों ने समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ ली।

बीकानेर, (कासं)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान की पहल पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पवनपुरी दक्षिण विस्तार बीकानेर में नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य किरण पंचारिया सहित शिक्षकों अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। महासंघ के जिलामंत्री नरेन्द्र आचार्य ने कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। युवाओं को नशे से दूर रखकर स्वस्थ एवं जागरूक समाज का निर्माण किया जा सकता है। विद्यालय की संस्था प्रधान किरण पंचारिया ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज में भी नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान जागरूकता के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। महासंघ के प्रदेश सचिव रवि आचार्य ने बताया कि महासंघ द्वारा प्रदेश के विद्यालयों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।

अग्रसेन की जयंती की पूर्व संध्या पर शोभायात्रा निकाली



महाराजा अग्रसेन जयंती की पूर्व संध्या पर अग्रवाल समाज की ओर से शोभायात्रा निकाली।

बीकानेर, (कासं)। महाराजा अग्रसेन की जयंती की पूर्व संध्या पर शनिवार को बीकानेर में अग्रवाल समाज की ओर से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महाराजा अग्रसेन के जीवन, आदर्शों और सामाजिक एकता का संदेश देती जीवंत झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। अग्रवाल समाज के साथ अन्य समाजों के लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का परिचय दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह महाराजा अग्रसेन सर्किल पर श्रमदान के साथ हुई। समाज के लोगों ने श्रमदान कर स्वच्छता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया। इसके बाद विधिवत रूप से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में समाज के गणमान्य नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। शोभायात्रा में सजी-धजी जीवंत झांकिया विशेषत: ब्रिक्स 2026 की झांकी में भारत के प्रधानमंत्री मोदी, चाइना के राष्ट्रपति शी जिनपिंग व रूस के राष्ट्रपति पुतिन की झांकी तथा वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और भारत माता की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। विभिन्न पात्रों ने महाराजा अग्रसेन के आदर्शों और उनके जीवन से जुड़े संदेशों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। झांकियों को देखने के लिए जगह-जगह लोग एकत्रित हुए। शोभायात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर प्रतिभागियों का स्वागत किया। स्वागत के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। शोभायात्रा में अग्रवाल समाज के गणमान्य व्यक्ति सफेद कुर्ता-पायजामा और केसरिया साफा धारण कर शामिल हुए। वहीं महिलाएं लाल और पीली साड़ियों के साथ केसरिया साफे में पारंपरिक वेशभूषा में नजर आई। महिलाओं और बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

सूरतगढ़ पालिका में कांग्रेस सिंबल पर जीते दो पार्षद भाजपा में शामिल

सूरतगढ़, (कासं)। नगर पालिका चुनाव के बाद सूरतगढ़ में कांग्रेस को कुछ ही दिनों में दूसरा बड़ा झटका लगा है। अध्यक्ष चुनाव में कांग्रेस खेमे के एक पार्षद की कथित क्रॉस वोटिंग से भाजपा का बोर्ड बनने के बाद अब कांग्रेस के सिंबल पर निर्वाचित दो पार्षद भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। वार्ड नंबर 6 के हरिराम स्वामी और वार्ड नंबर 7 के शिवशंकर नायक ने शनिवार को पालिकाध्यक्ष के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह मान, पालिकाध्यक्ष ज्योति कंवर और नगर मंडल अध्यक्ष गौरव बलाना ने दोनों पार्षदों को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। दोनों पार्षदों ने अपने वार्डों में काम करवाने के लिए भाजपा में शामिल होने की बात कही।

नगर निगम चुनाव के बाद कांग्रेस व भाजपा में संगठनात्मक गुटबाजी जारी

बीकानेर, (कासं)। भाजपा के मेयर पद के प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह शेखावत की हार के बाद लोकल स्तर पर पार्टी में बदलाव होने लगे हैं। चुनाव संचालन समिति और बीकानेर पंचायत समिति के लिए बनी कमेटियों में अब फेरबदल होने लगा हैं। पिछले दिनों कांग्रेस पार्षदों के धरने में शामिल भाजपा पार्षदों की शिकायत भी जयपुर मुख्यालय तक की गई है।

- पार्टी के एक गुट ने मुख्यालय को शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद पंचायत समितियों की कमेटियों में फेरबदल हो रहा है
- बीकानेर पंचायत समिति की कमेटी में अब भगवान सिंह मेड़तिया की जगह नया नाम जोड़ने की बात हो रही है
- मेडतिया ने कहा कि वे नवरात्रा के दौरान 9 दिन देशनोक में मौन व्रत करते हैं। ऐसे में पार्टी का काम नहीं कर सकते, मुझे हटाया नहीं गया

मेयर पद के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह शेखावत 20 वोटों के अंतर से हार गए थे। हालांकि पार्टी के 27 ही पार्षद थे और शेखावत को 30 वोट मिले थे। हालांकि खुद शेखावत ने सार्वजनिक तौर पर ये बयान दिया कि उन्होंने किसी की शिकायत नहीं की। भाजपा नेता व पार्षद श्याम सिंह हाड़ला का कहना है कि मैंने ही जिम्मेदारी लेने से मना किया था। किसी को नहीं हटाया। अगर कोई भी ये कहता है कि मुझे हटाया है तो वो उसकी अभिव्यक्ति की आजादी है।

पाटी के सूत्रों के अनुसार पंचायत चुनाव में जैसे ही पार्टी ने अलग-अलग पंचायत समितियों के लिए कमेटियों का गठन किया। वैसे ही निकाय चुनाव की पीड़ा सामने आ गई। पार्टी के एक गुट ने मुख्यालय को शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद पंचायत समितियों की कमेटियों में फेरबदल हो रहा है।

बीकानेर पंचायत समिति की कमेटी में अब भगवान सिंह मेड़तिया की जगह नया नाम जोड़ने की बात हो रही है। इस पर मेड़तिया ने बताया कि उन्हें हटाया नहीं गया। अब तक इस बारे में कोई आदेश नहीं है। वो स्वयं नवरात्रा के दौरान 9 दिन देशनोक में मौन व्रत करते हैं। ऐसे में पार्टी का काम नहीं कर सकते। इस बारे में उच्च पदाधिकारियों को बता दिया गया है। उधर पाटी के एक और पार्षद को जिला चुनाव प्रबंधन समिति में शामिल किया गया था। इस निर्णय पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। कांग्रेस की ओर से नगर निगम में किए गए एक विरोध प्रदर्शन में भाजपा के कुछ पार्षदों के शामिल होने को भी मुद्दा बनाया गया है। इसके लिए पार्टी के प्रदेश मुख्यालय तक को शिकायत दर्ज करवाई गई है। भाजपा के ही कुछ पार्षदों ने इस संबंध में मुख्यालय को मौखिक रूप से भी शिकायत दी है कि कांग्रेस के प्रदर्शन में भाजपा पार्षद क्यों शामिल हुए।

साधुमार्गी जैन संघ का समर्पणा महोत्सव आज से

बीकानेर, (कासं)। अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ का संघ समर्पणा महोत्सव एवं 64 वां वार्षिक अधिवेशन 11 से 13 अक्टूबर तक गंगाशहर मार्ग स्थित आदिनाथ भवन में आयोजित किया जायेगा।

आचार्य प्रवर रामलाल, उपाध्याय प्रवर राजेश मुनि एवं साधु-साध्वियों के आशीर्वाद से यह अधिवेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र गांधी की अध्यक्षता में संपन्न होगा। संघ के राष्ट्रीय मंत्री सुरेश बच्छावत ने बताया कि 11 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे और शाम 7:30 बजे दो सत्रों में कार्यसमिति की बैठक होगी।

बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मंत्री, प्रवृत्ति संयोजक, आंचलिक प्रभारी एवं विशेष आमंत्रित सदस्य आगामी योजनाओं का खाका खीचेंगे। महिला समिति की राष्ट्रीय महामंत्री प्रीति डागा ने बताया कि इसी दिन महिला समिति की कार्यसमिति व आमसभा भी दो सत्रों में आयोजित होगी।

संघ प्रवृत्तियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए बीकानेर साधुमार्गी महिला समिति को इस दौरान प्रतिष्ठित गवरा शौर्य पुरस्कार से नवाजा जायेगा।

कार-बाइक की भिड़ंत में बाइक सवार की मौत

बज्जू,(कासं)। बज्जू-रणजीतपुरा सड़क मार्ग पर शुक्रवार रात कार और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान गौडू निवासी रामकुमार पुत्र बगडूराम बेनीवाल के रूप में हुई। हादसे के बाद शव को बज्जू उप जिला अस्पताल लाया गया।

- बज्जू-रणजीतपुरा सड़क मार्ग पर हुआ हादसा। दूसरी घटना देशनोक हाईवे पर हुई जिसमें दो बाइक भिड़ी, एक महिला सहित तीन घायल

शनिवार को परिजनों की सहमति से पोस्टमार्टम करवाया गया। द्वितीय थानाधिकारी नैनूसिंह ने बताया कि हादसे के संबंध में परिजनों की ओर से अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है। रिपोर्ट नहीं मिलने के कारण पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज नहीं किया है।

वहीं देशनोक हाईवे पर करणी गौशाला के पास शनिवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। घायलों में बीकानेर निवासी बाबूलाल (45) और उषा देवी (40) दंपती शामिल हैं। साथ ही चूरू के लालगढ़ निवासी भवानी भी घायल हुए हैं।

बाबूलाल और भवानी की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद बीकानेर निवासी सन्नी वाढवा वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने तुरंत तीनों घायलों को अपनी गाड़ी से देशनोक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) पहुंचाया। सीएचसी में डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद तीनों को बेहतर इलाज के लिए बीकानेर ट्रोमा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

वहीं बीकानेर सेशन कोर्ट परिसर की अंडरग्राउंड पार्किंग से एक वकील की बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में वकील की रिपोर्ट पर सदर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाड़े में आग लगने से बछड़े की मौत, दो गाय झुलसी

नोखा, (कासं)। नोखा रायसर रोड पर जैन स्कूल के पीछे स्थित गौवंश आश्रय स्थल के बाड़े में दोपहर अचानक आग लग गई। हादसे में एक बछड़े की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो गाय गंभीर रूप से झुलस गई। सूचना पर पहुंचे चिकित्सकों ने घायल गौवंश का उपचार शुरू किया।

घटना से क्षेत्र में रोष फैल गया और लोगों ने मृत बछड़े के शव को उपखंड कार्यालय ले जाकर प्रदर्शन किया। मगनाराम केड़ली ने बताया कि एक निजी स्कूल परिसर में दिन के समय कचरा जलाया जा रहा था। इसी दौरान उठी चिंगारी पड़ौस में स्थित गौवंश के बाड़े तक पहुंच गई और आग फैल गई। देखते ही देखते पूरा बाड़ा जल गया। कचरा व घास जलाने के दौरान 100 से ज्यादा हरे पेड़ भी झुलस गए। आग लगने से पीड़ित परिवार को 2 से 5 लाख रूपए के नुकसान का अनुमान है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन कचरे का निस्तारण करने के बजाय उसे जलाकर छोड़ देता है। घटना के बाद मगनाराम केड़ली और पार्षद चेनाराम रेगर के नेतृत्व में लोग उपखंड कार्यालय पहुंचे और स्कूल संचालक के खिलाफ आगजनी व राजस्थान गौवंश अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री सहायता कोष से पीड़ित को मुआवजा देने और घायल गौवंश का इलाज कराने की मांग की।

देशनोक नगर पालिका की बैठक 20 को

देशनोक, (कासं)। देशनोक नगर पालिका में चुनाव पूरे होने के बाद अब विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रशासनिक काम तेज हो गए हैं। नगर पालिका की अध्यक्षा सरिता देवी मूंधड़ा ने नव-निर्वाचित बोर्ड की पहली साधारण बैठक बुलाने के लिए अधिशासी अधिकारी को पत्र जारी किया है।

यह बैठक 20 अक्टूबर को सुबह 11:15 बजे नगर पालिका कार्यालय, देशनोक (बीकानेर) के मुख्य सभागार में होगी। बैठक में नव-निर्वाचित पार्षदों का स्वागत और परिचय होगा। इसके अलावा देशनोक क्षेत्र के विकास कार्यों की प्राथमिकताओं और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की जायेगी। जनहित से जुड़े दूसरे जरूरी मुद्दों पर भी बात होगी। अध्यक्षा सरिता मूंधड़ा ने बैठक के निर्देश दिए है।

ओबीसी हकों के मुद्दों को गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया

बीकानेर,(कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जय हिन्द एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, ओबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष हरसहाय यादव के निर्देशानुसार संचालित 100 दिवसीय ओबीसी हक हुंकार अभियान के तहत शनिवार को रानी बाजार स्थित देहात कांग्रेस कार्यालय में बीकानेर देहात में चौथे सप्ताह के अंतर्गत जिला प्रशिक्षण प्रथम चरण का आयोजन किया गया।

- कांग्रेस कमेटी ओबीसी देहात विभाग का ओबीसी हक हुंकार अभियान के तहत प्रशिक्षण सम्पन्न

मास्टर ट्रेनर्स के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग बीकानेर देहात के अध्यक्ष ओमप्रकाश सेन ने की। कार्यक्रम में जिले के जिला पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं ओबीसी विभाग के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश सेन ने कहा कि ओबीसी समाज को उसका संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए जातिगत जनगणना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि विभिन्न ओबीसी समुदायों की वास्तविक सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के आंकड़े उपलब्ध होने से उनके अधिकार, प्रतिनिधित्व और कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। सरकार को जातिगत जनगणना की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने आगामी पंचायती राज चुनाव 2026 को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा ओबीसी समाज के लोगों को संगठन से जोड़ने का आव्हान किया।

जिला कांठोस कमेटी के संगठन महासचिव प्रहलाद सिंह मार्शल ने कहा कि ओबीसी हक हुंकार अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि पिछड़े वर्गों के अधिकार सम्मान और सामाजिक न्याय की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण जातिगत जनगणना और समान अवसर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है।

प्रथम और द्वितीय चरण के लिए रिटर्निंग अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया

बीकानेर, (कासं)। पंचायती राज चुनाव 2026 के प्रथम और द्वितीय चरण के लिए नियुक्त रिटर्निंग अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को रविन्द्र मंच में आयोजित किया गया।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी मनु गर्ग ने रिटर्निंग ऑफिसर्स की पंचायत चुनाव में पंच एवं सरपंच के नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने, उनकी संवीक्षा, मत पत्र तैयार करने से लेकर मतगणना करवाने और परिणाम जारी करने तक के महत्वपूर्ण कार्यों के बारे बताया। उन्होंने कहा कि यह सभी कार्य रिटर्निंग अधिकारियों के पर्यवेक्षण में होंगे।

साथ ही जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों का मतदान ईवीएम से करवाना होगा। गर्ग ने कहा कि दो अलग-अलग प्रकार के चुनावों की प्रक्रिया को प्रत्येक कार्मिक पूर्ण गंभीरता से सामाजिक तथा इसकी अनुपालना करें। प्रशिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी एवं राजस्थान पशु चिकित्सा व पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलसचिव पंकज शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान दी जाने वाली जानकारी को पूर्ण सजगता और गंभीरता से सीखें। जिससे सम्पूर्ण प्रक्रिया व्यवस्थित और निर्बाध रूप से पूर्ण की जा सके। प्रशिक्षण के दौरान दक्ष मास्टर ट्रेनर्स द्वारा करीब तीन सौ अधिकारियों को जिला परिषद व पंचायत चुनाव तथा पंच सरपंच व उप सरपंच निर्वाचन से जुड़ी प्रत्येक जानकारी का गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब दिए गए।



प्रशिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी मनु गर्ग ने पंचायत चुनाव में नाम निर्देशन से लेकर मतगणना करवाने प्रथम और द्वितीय चरण के लिए रिटर्निंग अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया।

- दक्ष मास्टर ट्रेनर्स द्वारा करीब तीन सौ अधिकारियों को जिला परिषद व पंचायत चुनाव तथा पंच सरपंच व उप सरपंच निर्वाचन से जुड़ी जानकारी दी

रैपिडो कैप्टन के साथ मारपीट व लूटपाट

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर में एक रैपिडो कैप्टन के साथ मारपीट कर लूटपाट करने का मामला सामने आया है। सरकारी हॉस्पिटल से नेक्सा शोरूम के सामने स्थित भाजपा ऑफिस के पास तीन बदमाशों ने चलती बाइक को धक्का देकर बाइक सवार कैप्टन को नीचे गिरा दिया। इसके बाद उसके साथ मारपीट कर जेब से 1500 रूपए, मोबाइल फोन और स्पलेंडर प्लस बाइक छीनकर फरार हो गए। घटना सदर थाना क्षेत्र में बुधवार रात की है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में विनोद कुमार, सदभावना नगर (श्रीगंगानगर) ने बताया कि वह शहर में रैपिडो बाइक चलाता है। 7 अक्टूबर की रात करीब 10:30 से 10:45 बजे के बीच वह अपनी स्पलेंडर प्लस बाइक से घर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से एक बाइक पर सवार होकर आये तीन युवकों ने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। उन्होंने उसे निशाना बनाया।

खाद-बीज दुकानों का निरीक्षण कर नमूने लिए

बीकानेर, (कासं)। कृषि गुण नियंत्रण विशेष रबी अभियान के तहत उद्यान विभाग के कृषि आदान निरीक्षक सहायक निदेशक उद्यान मुकेश गहलोत ने सहयोगी उद्यानिकी अधिकारी रमेश भाम्भू के साथ शनिवार को आरडी 682 व पूगल क्षेत्र में 6 कृषि आदान विक्रेता परिसरों का निरीक्षण किया व 2 कीटनाशक के नमूने आनलाइन राज एग्रो क्यूसी ऐप के माध्यम से आहरित किए।

उद्यान विभाग के सहायक निदेशक गहलोत ने बताया कि कृषि विभाग की ओर से जिले में कृषकों को उच्च गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उचित मूल्य पर मिले, यह प्रयास किया जा रहा है। आगामी रबी फसलों की बुवाई के मध्यनजर उर्वरक की बढ़ती मांग के मध्यनजर किसानों को डीएपी के विकल्प के तौर पर सिंगल सुपर फास्फेट, एसएसपी और यूरिया के उपयोग की सलाह दी। एक बैग डीएपी के स्थान पर 3 बैग एसएसपी और 1 बैग यूरिया का उपयोग किया जा सकता है। इससे उपलब्ध पोषक तत्वों की लागत डीएपी की तुलना में कम होती है।

गहलोत ने बताया कि कृषि आदान बीज उर्वरक व कीटनाशी प्रावधानों में उल्लेखित नियमानुसार ही कार्य करते हुए आपूर्तिकर्ता किसानों को कृषि आदानों की गुणवत्तापूर्वक आपूर्ति सुनिश्चित करें। इसके प्रयास किये जा रहे हैं। कृषि आदान विक्रेता जारी वैध लाइसेंस अनुसार ही कृषि आदानों की बिक्री वैधानिक तरीके से सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान प्रगतिशील किसानों से भी संवाद कर जैविक खेती प्राकृतिक खेती उर्वरकों का विवेकपूर्ण उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया गया। वैज्ञानिक सिफारिश अनुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग हेतु किसानों को सलाह दी। उर्वकों के अत्यधिक उपयोग को कम करने हेतु वैकल्पिक उर्वकों के उपयोग के को बढावा देने को कहा।

''स्मार्ट'' के माध्यम से सात सेवाओं का तीन लाख लोगों को लाभ मिला- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की 10 प्रमुख योजनाओं को ''स्मार्ट'' प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

जयपुर, 10 अक्टूबर। राजस्थान में आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को सुगम, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी आधारित व्यवस्थाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य में स्मार्ट परियोजना (सर्विस मैनेजमेंट विद आर्टिफिशल इंटेलिजेंस एंड रियल टाइम सिस्टम) की शुरूआत की गई है, जिससे लाखों व्यक्तियों को लाभ मिला है।

स्मार्ट परियोजना में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) की सहायता से सार्वजनिक सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचाने का तरीका बेहतर बनाया जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें स्वचालित रूप से संबंधित योजनाओं में जोड़ना और मानवीय हस्तक्षेप को कम करके लाभों का पारदर्शी वितरण करना है।

मुख्यमंत्री द्वारा 1 जुलाई को जयपुर में आयोजित 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन में स्वचालित नागरिक सेवा प्रदायगी मंच 'स्मार्ट' परियोजना का शुभारंभ किया जा चुका है। इसके अंतर्गत आरम्भ की गई 7 सेवाओं से 3 लाख से अधिक नागरिक लाभान्वित हो चुके हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने राज उन्नति की 9वीं बैठक में स्मार्ट परियोजना के तहत विभिन्न विभागों की 10 प्रमुख योजनाओं को भी स्मार्ट प्लेटफॉर्म पर लाने के निर्देश दिए हैं। ये सेवाएं भी आमजन को जल्द सुलभ होंगी।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि ''स्मार्ट परियोजना'' का मुख्य उद्देश्य, पात्र लाभार्थियों की पहचान या उन्हें स्वचलित रूप से संबंधित योजनाओं में जोड़ना व मानवीय हस्तक्षेप कम करना है।**

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने 2 अक्टूबर को राज्य स्तरीय विकसित भारत-जन सेवा अभियान कार्यक्रम में मूल निवास प्रमाण-पत्र के स्वत: जारी होने की सेवा का शुभारम्भ किया था। इससे पात्र नागरिकों को मूल निवास प्रमाण-पत्र के लिए न तो आवेदन करना होगा और न ही किसी कार्यालय के चक्कर लगाने होंगे। प्रथम चरण में स्कूल शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड के आधार पर राजस्थान में लगातार 10 वर्षों तक अध्ययन करने वाले लगभग 3 लाख विद्यार्थियों को चिन्हित किया गया है। इन विद्यार्थियों को सहमति के आधार पर मूल निवास प्रमाण-पत्र स्वत: जारी किए जा रहे हैं। 9 अक्टूबर तक 27 हजार से अधिक नागरिक इस सुविधा से लाभान्वित हो चुके हैं।

वर्तमान में स्मार्ट परियोजना ई-गवर्नेंस की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसमें जन आधार परिवार कार्ड में नवजात सदस्य को स्वत: जोड़ना, सदस्य की मृत्यु होने पर जन आधार परिवार कार्ड से स्वत: विलोपन, नवजात सदस्य का आरजीएचएस परिवार कार्ड में स्वचालित रूप से जुड़ना, मृत्यु होने पर आरजीएचएस परिवार कार्ड में सदस्य का स्वत: विलोपन, नवजात सदस्य का राशन कार्ड में स्वचालित रूप से जुड़ना एवं सदस्य की मृत्यु होने पर राशन कार्ड से स्वत: विलोपन जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

बारामूला के जंगल में हथियारों व गोला बारूद का जखीरा बरामद

श्रीनगर, 10 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला के एक जंगल से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सोपोर पुलिस से मिली खास खुफिया जानकारी के आधार पर, उत्तरी कश्मीर जिले के सोपोर इलाके में मुकाम चेरहार के जंगल में घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) चलाया गया। उन्होंने कहा कि तलाशी के दौरान हथियार, गोला-बारूद, ग्रेनेड, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और अन्य संबंधित सामग्री का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान, एक बड़े पत्थर के नीचे छिपाकर रखा गया एक नीला बैरल और एक बैग मिला।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि संदिग्ध विस्फोटक सामग्री की जांच और उसे सुरक्षित रूप से संभालने के लिए तुरंत बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) को मौके पर बुलाया गया।

सीजेपी आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अत्याचार कर रही है। हमारा सवाल है कि उन्हें फ्लाइट से क्यों हिरासत में लिया गया? वो सामान्य तरह से फ्लाइट से दिल्ली आए थे। कोई भी फ्लाइट से आ सकता है। अगर वो किसी भी तरह का उल्लंघन करते, सड़क पर आकर प्रदर्शन करते, तो उनको हिरासत में ले सकते थे।

सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में लिए 60 वकीलों को रिहा कराया

इन वकीलों को सुप्रीम कोर्ट परिसर के पास प्रदर्शन करते हुए गिरफ्तार किया गया था

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। दिल्ली में शनिवार को सुप्रीम कोर्ट परिसर के पास प्रदर्शन कर रहे करीब 50 से 60 वकीलों को हिरासत में लिया गया। इनमें वरिष्ठ वकील और महिला वकील भी शामिल थीं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश के हस्तक्षेप के बाद, कुछ घंटों में उन्हें रिहा कर दिया गया। जंतर- मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेआई) के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले, दिल्ली में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी, इसी दौरान ये गिरफ्तारियाँ हुईं।

- **सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर वकीलों को हिरासत में लेने के मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था।**

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने हिरासत में लिए गए वकीलों के मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा, इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने अधिकारियों को हिरासत में लिए गए वकीलों को रिहा करने का निर्देश दिया।

''सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन'' के अध्यक्ष, एडवोकेट देवव्रत ने भी पुष्टि की कि मुख्य न्यायाधीश ने अधिकारियों को वकीलों को रिहा करने का निर्देश दिया था।

एससीबीए के अध्यक्ष प्रदीप राय ने सुबह करीब 11:30 बजे सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह मुद्दा उठाया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को उनके चैंबर से हिरासत में लिए जाने की खबर को ''बेहद चिंताजनक'' बताया।

'जन्तर-मन्तर सब जगह प्रस्फुटित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की परीक्षाओं में हुईं कथित गड़बड़ियों, लखनऊ विश्वविद्यालय और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस बढ़ाने और सीटें कम किये जाने के विरोध में प्रदर्शन हुए। सरकारी स्कूलों में खराब सुविधाओं को लेकर कई जिलों में सड़कें रोकी गईं और छात्रावासों में विरोध प्रदर्शन हुए। शिक्षकों की भर्ती में देरी के खिलाफ भी नाराज़गी देखने को मिली। इसके अलावा, रोजगार की मांग को लेकर जैन ज़ी के युवाओं ने चौरी-चौरा से लखनऊ तक साइकिल यात्रा निकाली। प्रयागराज और अन्य जगहों पर स्थानीय प्रदर्शनों में एसआईआर प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त को भी निशाना बनाया गया। इन प्रदर्शनों में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया जैसे छात्र संगठनों ने भी हिस्सा लिया।

राजनीतिक दलों में युवाओं का समर्थन हासिल करने के लिये जबरदस्त होड़ लगी हुई है। योगी आदित्यनाथ सरकार एक लाख से अधिक शिक्षण संस्थानों में बड़े स्तर पर संपर्क अभियान चला रही है। इसमें देश के विकास से जुड़े विषयों पर प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। साथ ही, सरकार नौकरियों में नियुक्तियों और कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं को भी प्रमुखता से सामने रख रही है।

समाजवादी पार्टी ''छात्र सभा'' और अन्य छात्र संगठनों, पीडीए गठबंधन तथा डिजिटल अभियानों के माध्यम से जैन ज़ी के युवाओं तक पहुँचने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस युवाओं से सीधे बातचीत करने और समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की तैयारियों पर ध्यान दे रही है। छोटे राजनीतिक दल और निर्दलीय उम्मीदवार भी रोजगार और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को उठाकर युवाओं को अपने साथ जोड़ रहे हैं।

वहीं, बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने युवाओं से भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस, दोनों की साज़िशों से दूर रहने की अपील की है। उनका कहना है कि ये दोनों दल युवाओं के मुद्दों का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

सीजेपी के नेताओं ने चेतावनी दी है कि दिल्ली में हुई कार्रवाही और लखनऊ सहित, दूसरे शहरों में पहले आयोजित समर्थन कार्यक्रमों के बाद शुरु हुआ यह आंदोलन देशभर में फैल सकता है। आंदोलन के नेताओं ने संकेत दिया है कि वे विभिन्न शहरों में प्रदर्शन जारी रखेंगे और चुनावी सुधारों तथा व्यवस्था में बदलाव से जुड़ी मांगें पूरी होने तक दबाव बनाए रखेंगे। उत्तर प्रदेश में पहले से मौजूद स्थानीय संगठनों और परीक्षाओं तथा रोजगार से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के इतिहास को देखते हुए, इस आंदोलन के वहाँ भी फैलने की प्रबल संभावना है।

मुथूट कंपनी से गायब ढाई किलो सोने के मामले में निर्णय

जयपुर, 10 अक्टूबर। न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-14 महानगर द्वितीय ने साल 2009 में मुथूट फाइनेंस कंपनी से गायब हुए ढ ाई किलोग्राम सोने से जुड़े मामले में तत्कालीन शाखा प्रबंधक विजय बी. पुरोहित व एक अन्य अनिकेत को बरी कर दिया है। पीठासीन अधिकारी आयुषी गोयल ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ लगाए आरोपों को साबित करने में विफल रहा है। ऐसे में बिना सबूत आरोपियों को दोषमुक्त करना सही होगा।

- **तत्कालीन मैनेजर को बरी करते हुए अदालत ने कहा कि 2009 के मामले में अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा।**

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि मुथूट फाइनेंस के क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के प्रबंधक अंबिका प्रसाद ने 20 मार्च 2009 को विद्याधर नगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि ब्रांच की ऑडिट के दौरान 15 गोल्ड पैकेट स्ट्रांग रूम में नहीं मिले। इन गोल्ड पैकेटों के बदले में कंपनी ने 20.57 लाख रुपए की लोन राशि दी है। मामले में आरोप था कि तत्कालीन ब्रांच मैनेजर विजय पुरोहित ने पैकेटों को अपने कब्जे में लेने के बाद कथित तौर पर उनका गबन किया तथा अनिकेत के साथ मिलकर साजिश रची। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विपिन अग्रवाल ने कहा कि केवल नकदी और पासबुक की बरामदगी के आधार पर आरोपियों का अपराध में शामिल होना साबित नहीं होता।

124 आई.ए.एस. और आई.एफ.एस. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनाई गई थी, उसी पर सवाल उठ सकते हैं।

मौजूदा विवाद के बड़े पैमाने को देखते हुए ये चिंताएं और भी अहम हो जाती हैं। विपक्षी दलों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। इससे प्रक्रिया और मतदाता की योग्यता से जुड़े सवाल और अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

इसलिए मुख्य सवाल यह नहीं है कि मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण होना चाहिए या नहीं। सूचियों को सही ढंग से बनाए रखना जरूरी है। असली सवाल यह है कि यह प्रक्रिया कितनी पारदर्शिता और समान नियमों के साथ पूरी की जाती है और क्या इसमें पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटने से रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय मौजूद हैं।

पूर्व अधिकारियों की इस पहल ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील बहस में प्रशासनिक अनुभव और संस्थागत व्यवस्था से जुड़े पहलुओं को भी शामिल कर दिया है। सबूतों पर जोर देने की उनकी बात सही है: धोखाधड़ी के आरोपों की सख्ती से जाँच होनी चाहिए और बिना सबूत वाले दावों को अपने आप सच नहीं मान लेना चाहिए।

हालाँकि, पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों की साख और पत्र का समर्थन करने वालों की संख्या अपने आप यह साबित नहीं करती कि विशेष गहन पुनरीक्षण की हर प्रक्रिया सही तरीके से पूरी की गई है। इसी तरह, विपक्षी दलों के आरोप भी अपने आप यह साबित नहीं करते कि चुनावों में व्यवस्थित रूप से हेराफेरी हुई है।

विश्वसनीय आकलन के लिए संबंधित चुनावी आंकड़ों तक पहुँच, नाम हटाने के कारणों की स्पष्ट जानकारी, गलतियों को सुधारने की प्रभावी व्यवस्था और जरूरत पड़ने पर स्वतंत्र जाँच जरूरी है। जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, उन्हें अपनी पात्रता साबित करने और अपना नाम दोबारा जुड़वाने का उचित अवसर मिलना चाहिए।

लोकतंत्र का बड़ा सिद्धांत यह है कि संस्था की साख की रक्षा जिम्मेदारी से की गई आलोचना और साबित की जा सकने वाली जवाबदेही, दोनों से होनी चाहिए। राजनीतिक आरोपों के आधार पर चुनाव आयोग को दोषी नहीं मान लेना चाहिए। लेकिन केवल संवैधानिक संस्था होने के कारण उसे जाँच और सवालों से छूट भी नहीं मिलनी चाहिए।

अंतिम कसौटी स्पष्ट है: क्या योग्य नागरिक बिना किसी रुकावट के मतदान कर सकते हैं? क्या कानूनी प्रक्रियाओं के जरिए अपात्र नामों को हटाया जा सकता है? और क्या जनता यह जाँच सकती है कि इन दोनों उद्देश्यों को पूरा किया जा रहा है? यही वह पैमाना है, जिसके आधार पर एसआईआर और उससे जुड़े अलग-अलग दावों को परखा जाना चाहिए।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियुक्त उसे अपने कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने घटना को दोहराया, वहीं अभियुक्त ने कहा कि उसे रंजिशवश फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

रियाद एयरपोर्ट बंद, मिसाइल हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल से टकराई

काहिरा, 10 अक्टूबर। सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित हवाई अड्डे पर शनिवार को फिर हमला हुआ और उसे खाली करा लिया गया। क्षेत्र के दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं, दो दिन पहले हुए हमले में एक पायलट समेत तीन सऊदी नागरिकों की मौत हो गई थी। ईरान युद्ध के नए मोर्चे पर सऊदी अरब को लगातार हमलों का सामना करना पड़ रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि मिसाइल हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल से टकराई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं होने के कारण नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर जानकारी दी। एंबुलेंस को तेजी से हवाई अड्डे की ओर जाते देखा गया। उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, रियाद जाने वाली उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया। इससे पहले दोपहर 2:05 बजे आखिरी उड़ान के उतरने के करीब चार घंटे बाद यह जानकारी सामने आई।

- **कुवैत एयरवेज ने अपनी उड़ानें बंद की, रियाद जाने वाली उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोडा।**

कुवैत एयरवेज ने बताया कि हवाई अड्डा बंद होने के कारण वह अपनी उड़ानें रद्द कर रही है। कनाडा के दूतावास ने अपने नागरिकों को हवाई अड्डे की यात्रा से बचने की सलाह दी और क्षेत्र में ''लगातार जारी सैन्य गतिविधियों'' का हवाला दिया। रियाद के निवासी अहमद सैयद ने बताया कि उन्होंने राजधानी में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनी। धमाकों से शहर में कंपन महसूस हुआ। हवाई अड्डा प्रशासन ने यात्रियों के लिए संक्षिप्त अलर्ट जारी किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त का हटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिनराई विजयन भी उन प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल थे, जिन्हें आंदोलन में शामिल होने या उसका समर्थन करने की कोशिश के दौरान हिरासत में ले लिया गया। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं, डैरेक ओ'ब्रायन और डोला सेन को भी हिरासत में लिया गया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें महासचिव एम. ए. बेबी, बृंदा करात और जॉन ब्रिटास शामिल हैं, को भी हिरासत में लिया गया। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को भी चंडीगढ़ में हिरासत में लिए जाने की खबर आई। अनेक जगहों पर कार्यकर्ताओं, वकीलों और छात्र नेताओं के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की गई।

इन हिरासतों ने आंदोलन को और अधिक राजनीतिक रूप दे दिया है। विपक्षी नेताओं ने प्रशासन पर विरोध की आवाज को दबाने का आरोप लगाया, जबकि सरकार और पुलिस ने सार्वजनिक व्यवस्था तथा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के आधार पर पाबंदियों को सही ठहराया। तमिलनाडु के नेता एम. के. स्टालिन ने पुलिस कार्रवाई की आलोचना की और हिरासत में लिए गए राजनीतिक नेताओं, छात्रों तथा युवा प्रदर्शनकारियों को रिहा करने की मांग की। उन्होंने इसकी तुलना आपातकाल से की। इन विरोधी दावों ने प्रदर्शन से निपटने के सरकार के तरीके पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, पुलिस की प्रत्येक कार्रवाई की वैधता की जांच हर हिरासत के खास हालात के आधार पर की जानी चाहिए।

इस आंदोलन का मुख्य मुद्दा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिविजन-एसआईआर) है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से सूची से हटाए गए हैं और इस प्रक्रिया से चुनाव की निष्पक्षता को खतरा हो सकता है। चुनाव आयोग का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची में डुप्लीकेट और अपात्र नामों की पहचान करना तथा सूची को अधिक सटीक बनाना है। मुख्य सवाल यह है कि क्या इन आरोपों की पुष्टि, नाम हटाए जाने के प्रामाणिक आंकड़ों, गलत तरीके से नाम काटे जाने के व्यक्तिगत मामलों, पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ने और चुनाव अधिकारियों के पारदर्शी स्पष्टीकरण के माध्यम से की जा सकती है।

युवाओं के नेतृत्व वाले मंच के रूप में सीजेपी के उभरने से ऐसे कई समूह एक साथ आ गये हैं, जो कभी किसी एक राजनीतिक बैनर के नीचे काम नहीं करते। छात्र संगठनों, वामपंथ से जुड़े समूहों, ऐक्टिविस्टों और विपक्षी दलों ने इस अभियान में हिस्सा लिया है या इसका समर्थन किया है। स्थापित राजनीतिक नेताओं की भागीदारी ने इस आंदोलन को उसके शुरुआती समर्थक वर्ग से आगे तक पहुँचा दिया है।

अब सवाल यह है कि बढ़ती राजनैतिक भागीदारी आंदोलन को मजबूत करेगी या उसकी स्वतंत्र पहचान को कमजोर कर देगी। यदि आंदोलन व्यापक गठबंधन बनाए रखता है और प्रमाणों पर आधारित चुनावी सुधारों पर ध्यान केन्द्रित करता है, तो वह एक प्रदर्शन के बाद भी दबाव बनाए रख सकता है। लेकिन यदि उसकी पहचान मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के साथ विपक्ष के टकराव तक सीमित हो जाती है, तो, परंपरागत दलीय राजनीति पर संदेह करने वाले युवाओं के बीच, उसकी लोकप्रियता प्रभावित हो सकती है। वर्ष 2027 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़े राजनीतिक दांव-पेच को और बढ़ा सकते हैं।

क्या ये विरोध प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर सकते हैं? आंदोलन का बढ़ता दायरा और बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिया जाना राजनीतिक दबाव तो बढ़ा सकता है, लेकिन इससे किसी संवैधानिक पदाधिकारी को अपने पद से हटने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत, मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के खिलाफ सुरक्षा मिली हुई है और उन्हें केवल उसी तरीके और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जिन आधारों और प्रक्रिया के तहत सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रक्रिया पूरी करनी होती है। कुमार स्वेच्छा से इस्तीफा दे सकते हैं, लेकिन अभी तक ऐसा कोई स्पष्ट संकेत नहीं है कि उन्होंने यह कदम उठाने का फैसला किया है।

तत्काल चुनौती यह है कि क्या इस टकराव से कोई ठोस संस्थागत नतीजा निकलता है। मतदाता सूची से हटाए गए नामों की पारदर्शी जानकारी देना, शिकायतों का प्रभावी समाधान करना, पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ना और विवादित मामलों की स्वतंत्र जाँच कराना प्रदर्शनकारियों के आरोपों की विश्वसनीयता स्थापित करने में मदद करेगा। न्यायिक फैसले या संसद की विधिवत कार्रवाई भी इस विवाद की दिशा बदल सकती है।

शनिवार को बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिए जाने से शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने का अधिकार भी एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। पुलिस की भारी तैनाती और लोगों की आवाजाही पर लगी पाबंदियों के कारण यह आलोचना प्रबल हुई है कि प्रशासन विरोध की आवाज़ को सीमित कर रहा है। वहीं, पुलिस सुरक्षा, नियमों और यातायात व्यवस्था से जुड़ी चिंताओं का हवाला दे रही है। इन कदमों की आवश्यकता और उनकी मात्रा को लेकर बहस आगे भी जारी रहने की संभावना है।

कुल मिलाकर, अंतत:, दिल्ली में हुए इस आंदोलन का महत्व इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या यह जनता के गुस्से को चुनावी प्रक्रिया में प्रमाणित सुधार, संस्थागत जवाबदेही और लंबे समय तक इस प्रकार की नागरिक भागीदारी में बदल सकता है। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा फिलहाल एक मांग है, कोई सुनिश्चित नतीजा नहीं। बड़ी चुनौती यह है कि क्या अब प्रमुख राजनीतिक नेताओं के समर्थन वाला यह युवा आंदोलन, चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की सार्थक जाँच सुनिश्चित कर सकता है और चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा मजबूत कर सकता है।

लोक अदालत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे। जस्टिस गोयल ने लोक अदालत में उपस्थित पक्षकारों को संबोधित करते हुए कहा कि कई पक्षकारों के बीच ऐसे सिविल व छोटे आपराधिक प्रकृति के मुकदमे होते हैं, जिन्हें आपसी राजीनामे से सुलझाया जा सकता है। लोक अदालत के माध्यम से ऐसे प्रकरणों को तय किया जाता है। इससे पक्षकार का समय और धन दोनों बचता है।

वहीं प्रकरण का अंतिम निस्तारण होने से उसकी अपील भी नहीं होती है। प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम शर्मा अत्री ने बताया कि लोक अदालत में राजीनामा हो सकने वाले आपराधिक प्रकरणों के साथ ही चैक अनादरण, धन वसूली, बिजली-पानी और तलाक को छोड़कर, अन्य पारिवारिक प्रकरणों से जुड़े मुकदमों को सूचीबद्ध किया गया था।

प्रकरणों के निस्तारण के लिए हाईकोर्ट में चार बेंच और प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में 499 बेंचों का गठन किया गया था।

लगभग एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की आवाज़ दबाने के लिए केवल बल प्रयोग किया जाता है।

यह तरीका ज्यादा दिन नहीं चल सकता।

इसके विकल्प के रूप में छात्र आईएनए की दिल्ली हाट में और सफदरजंग फ्लाईओवर पर बैठ गए। पुलिस के वहाँ पहुँचने और सड़कें बंद करने की कार्रवाई शुरू करने से पहले ही छात्र वहाँ जमा हो गए थे।

आशंका है कि यदि आज देर रात सड़कें खोल दी गईं, तो छात्र रात में फिर से इकट्ठा हो जाएंगे और वहीं बैठे रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट कल रविवार को विशेष याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में मेट्रो सेवा बंद किए जाने, सीजेपी के हजारों समर्थकों को हिरासत में लेने और भारी संख्या में तैनात पुलिस बल द्वारा की गई हिंसा से जुड़े मामले शामिल हैं।

राजनाथ सिंह ने प्रसिद्ध सारंग हैलीकॉप्टर की एरोबैटिक टीम के हैरतअंगेज़ करतब देखे

रक्षा मंत्री ने जोधपुर में बहुराष्ट्रीय वायु सेना अभ्यास में मित्र राष्ट्रों के वायु सेना अधिकारियों से मुलाकात की

जोधपुर, 10 अक्टूबर (कासं)। जोधपुर की धरा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सैन्य शक्ति का गवाह बनी है, जहां शनिवार को केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह विशेष दौरे पर जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे। एयरबेस पहुंचने पर भारतीय वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की औपचारिक अगवानी की और स्वागत किया। रक्षा मंत्री ने यहां आयोजित बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास ''तरंग शक्ति-2026'' के मुख्य कार्यक्रम में शिरकत की और युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहीं विभिन्न मित्र राष्ट्रों की वायुसेनाओं के अधिकारियों और जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। निर्धारित कार्यक्रम के समापन के बाद रक्षा मंत्री दोपहर बाद, जोधपुर एयरपोर्ट से विशेष विमान द्वारा वापस दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

जानकारी के अनुसार, जोधपुर एयरबेस पर 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे इस विशाल युद्धाभ्यास में दुनियाभर के 8 देशों की वायुसेनाएं एक साथ मिलकर अपनी हवाई मारक क्षमता और युद्ध कौशल का प्रदर्शन कर रही हैं। इसके साथ ही, विश्व के 32 से अधिक देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि इस अभ्यास के पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए हैं।

वहीं, ''तरंग शक्ति-2026'' युद्धाभ्यास के दौरान भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर एरोबैटिक टीम ने आसमान में सांसें थमा देने वाले हैरतअंगेज करतब दिखाए। सारंग टीम के पायलटों की सटीकता और कौशल को देखकर वहां मौजूद देश-विदेश के सैन्य प्रतिनिधि और दर्शक दंग रह गए।

- **जोधपुर में आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय अभ्यास का मुख्य उद्देश्य विभिन्न रक्षा संस्कृतियों के बीच आपसी तालमेल बढ़ाना, संयुक्त अभ्यास की क्षमता विकसित करना तथा आधुनिक हवाई युद्ध की रणनीतियों का आदान-प्रदान करना है।**

लड़ाकू विमानों की गर्जना और हेलीकॉप्टरों के जटिल फॉर्मेशन ने पूरे जोधपुर एयरबेस के माहौल को देशभक्ति और सैन्य शक्ति के रोमांच से भर दिया। रक्षा मंत्री ने सारंग टीम के प्रदर्शन की सराहना की और विदेशी प्रतिनिधियों के सामने भारतीय वायुसेना के इस गौरवशाली प्रदर्शन को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता का बड़ा प्रमाण बताया।

अभिजीत दीपके ने आंदोलन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में दाखिल हुए और तीनों को हिरासत में ले लिया। महाराष्ट्र के रहने वाले अजिंक्य शिंदे कई वर्षों से अभिजीत दिपके के करीबी सहयोगी रहे हैं। वे पहले आम आदमी पार्टी की महाराष्ट्र टीम में सोशल मीडिया समन्वयक के रूप में काम कर चुके हैं। बताया जाता है कि दीपके से उनकी पहली मुलाकात 2016 में गोवा में हुई थी।

शिंदे ने आम आदमी पार्टी के लिए पूरे समय काम करने के उद्देश्य से अपनी कॉरपोरेट नौकरी छोड़ दी थी। पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने एक साल गोवा विधानसभा चुनावों के लिए काम किया। हालाँकि, गोवा विधानसभा चुनावों में पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई, फिर भी अजिंक्य पार्टी के प्रति समर्पित रहे और महाराष्ट्र में आम आदमी पार्टी की टीम के साथ काम करने लगे।

बताया जाता है कि वे महाराष्ट्र के हर जिले का दौरा कर चुके हैं। अजिंक्य महाराष्ट्र के तटीय शहर अलीबाग के रहने वाले हैं। दिपके, दास और रांका के अलावा, शनिवार सुबह प्रदर्शन से पहले ही सीजेपी के कई नेताओं और प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस ने सीजेपी को प्रदर्शन के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया था। पुलिस का कहना था कि अनुमति के लिए पर्याप्त समय पहले आवेदन नहीं किया गया था।

इससे पहले, शनिवार सुबह यूट्यूबर ध्रुव राठी को भी दिल्ली पुलिस ने गुरुग्राम स्थित उनके घर से हिरासत में ले लिया। नरेन्द्र मोदी सरकार के मुखर आलोचक राठी इसी सप्ताह जर्मनी से भारत लौटे थे। उन्होंने 8 अक्टूबर को बेंगलुरु में हुए सीजेपी के प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया था।

जंतर-मंतर के आसपास नाटकीय दृश्य देखने को मिले, जब पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शन स्थल तक पहुँचने की कोशिश कर रहे लोगों को हिरासत में लेना शुरू किया।

हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को पुलिस बसों में भरकर राजधानी के छत्रसाल स्टेडियम ले गई।

पुलिस ने शनिवार से पहले की रात राजधानी के अलग-अलग इलाकों में चलाए गए अभियान के दौरान, कम से कम 400 प्रदर्शनकारियों को भी गिरफ्तार किया।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फै

Hero

हीरो संग त्योहार
है हर कहीं

Splendor+

TEA HOUSE

HR-98X-3423

शुभ नवरात्रि

पाएं सोने का सिक्का और भी बहुत कुछ जीतने का मौका#

इंस्टेंट डिस्काउंट
₹ 10 000^ तक

SBI card
HDFC BANK
pine labs

कम डाउन पेमेंट
₹6 999^ से शुरू

एक्सक्लूसिव कॉर्पोरेट ऑफ़र
₹ 2 200* तक

Hero GoodLife

Also Available on:
Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *T&C Apply. Actual vehicle colour may vary slightly due to printing variations. #Limited period offer, T&C apply. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice.

TOLL FREE
1800 266 0018

बल्क/संस्थागत पूछताछ के लिए, कृपया हमें institutionalsales@heromotocorp.com पर लिखें | CSD में उपलब्ध है

अधिकृत डीलर : बीकानेर: राजाराम धारणिया हीरो, गोगा गेट सर्किल के पास, 9289922708 करण हीरो, म्यूजियम सर्किल के पास, 9289922528, राजाराम धारणिया ऑटोमोबाईल्स एक्सटेंशन काउंटर : अनाज मण्डी गेट के सामने 7229822929, 8048243279, वाटर वर्क्स के सामने, कालू रोड, लूणकरणसर, 8000294880, श्री गंगानगर रोड़, 7428598938, एसोशिएट डीलरः बीकानेर: ब्रज ऑटोव्हील्स : एनएच 15, चुंगी चौकी के पास, जैसलमेर रोड़, 9782400101, राज ऑटोमोबाइल्स (श्री डुंगरगढ़) 9414528983, अर्जुनसर स्टेशन: सिद्धि विनायक ऑटोमोबाइल्स, 8890636258, बज्जू: खीचड़ मोटर्स, 9468939229, कातर छोटी: लिम्बा मोटर्स, 9782151100, सांडवा: बेनीवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414422944, नोखा: धारणियाँ मोटर्स, 7428049134 (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बीकानेर: राजाराम धारणिया हीरो, सुभाष पेट्रोल पंप के सामने जयपुर रोड, बीकानेर, 7300056081